(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

रविवार, 15 अगस्त 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 08 अंकः 240 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

राष्ट्रपति का देश के नाम संबोधन, कोरोना, कृषि और जम्मू कश्मीर सहित इन मुद्दों का किया जिक्र

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 75 वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा देश–विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को स्वाधीनता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!। इस वर्ष के स्वाधीनता दिवस का विशेष महत्व है क्योंकि इसी वर्ष से हम सब अपनी आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा, "कई पीढ़ियों के ज्ञात और अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष से हमारी आजादी का सपना साकार हुआ था। उन सभी ने त्याग व बलिदान के अनूठे उदाहरण प्रस्तुत किए। मैं उन सभी अमर सेनानियों की पावन स्मृति को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। राष्ट्रपति ने बच्चों के माता–पिता से अपील करते हुए कहा कि विकास के आयाम तलाशने के लिए बेटियों को भी अवसर उपलब्ध कराएं। भागीदारी में महत्वपूर्ण बदलाव हो रहे हैं और जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाएं सफल हो रही हैं। टोक्यो ओलंपिक में हमारे खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से देश का गौरव बढ़ाया है।

भारत ने ओलंपिक खेलों में अपनी भागीदारी की 121वर्षों में सबसे अधिक पदक जीतने का इतिहास रचा है। देश के नेतृत्व ने कोरोना की चुनौती का सामना किया। हमारे वैज्ञानिकों ने कम समय में वैक्सीन बनाई। उन्होंने कहा कि अब तक के अनुभव से यही सीख मिली है कि अभी हम सबको लगातार सावधानी बरतने की जरूरत है। कोविंद ने कहा, " इस समय वैक्सीन हम सबके लिए विज्ञान द्वारा सुलभ कराया गया सर्वोत्तम सुरक्षा कवच है।

हमारे देश में चल रहे विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के तहत अब तक 50 करोड़ से अधिक देशवासियों को वैक्सीन लग चुकी है।" राष्ट्रपति ने कहा, " मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि वे प्रोटोकॉल के अनुरूप जल्दी से जल्दी वैक्सीन लगवा लें और दूसरों को भी प्रेरित करें।" उन्होंने कहा कि कोविड की दूसरी लहर से हमारी सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे पर बहुत दबाव पड़ा है और सच तो यह है कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं समेत, किसी भी देश का बुनियादी ढांचा, इस विकराल संकट का सामना करने में समर्थ सिद्ध नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि हमने स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए युद्ध–स्तर पर प्रयास किए तथा चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के लिए एक वर्ष की अवधि में ही तेईस हजार दो सौ बीस करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। कोविंद ने कहा कि सरकार, उन मजदूरों और उद्यमियों की जरूरतों के प्रति भी संवेदनशील रही है जिन्हें लॉकडाउन और आवागमन पर प्रतिबंधों के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि इनकी जरूरतों को समझते हुए सरकार ने पिछले वर्ष उन्हें राहत प्रदान करने के लिए बहुत से कदम उठाए थे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी सरकार ने मई और जून में करीब 80 करोड़ लोगों को अनाज उपलब्ध कराया और अब यह सहायता दीपावली तक के लिए बढ़ा दी गई है। राष्ट्रपति ने तीन केंद्रीय कृषि कानूनों को लेकर किसान संगठनों की चिंताओं के संदर्भ में कहा कि इस बात की खुशी है कि सभी बाधाओं के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में – विशेष रूप से कृषि के क्षेत्र में – बढ़ोतरी जारी रही है।

आखिरकार बिक गया विजय माल्या का किंगफिशर हाउस, 9वें प्रयास में लगी 52.25 करोड़ की अंतिम बोली

नई दिल्ली। मुंबई के विले पार्ले में व्यवसायी विजय माल्या के किंगफिशर हाउस को अंततः नौवें प्रयास में हैदराबाद स्थित सैटर्न रियल्टर्स को 52.25 करोड़ रुपये में बेच दिया गया। किंगफिशर हाउस कभी माल्या के स्वामित्व वाली अब बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस का मुख्यालय था। माल्य पर लगभग 9,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। सैटर्न रियल्टर्स ने इस सौदे के लिए महाराष्ट्र सरकार को 2.612 करोड़ रुपये की स्टैंप ड्यूटी अदा की है। यह सौदा पिछले महीने 31 जुलाई को रजिस्टर किया गया था। मुंबई हवाई अड्डे के बाहर 2401.70 वर्ग मीटर की यह संपत्ति 2016 में अटैच की गई थी। ऋण वसूली न्यायाधिकरण, बेंगलुरु ने पिछले आठ प्रयासों में विफल होने के बाद इस घर को बेच दिया। रियल

एस्टेट रिसर्च फर्म लियासेज फोरास के प्रबंध निदेशक पंकज कपूर ने दरों में कमी के लिए इसके स्थान और बाजार की स्थिति को जिम्मेदार ठहराया। कपूर ने कहा, "ऊंचाई प्रतिबंधों के कारण इस भूखंड में बहुत अधिक विकास की संभावना नहीं है, क्योंकि यह हवाई अड्डे के करीब है। इसके अलावा, बाजार की स्थिति खराब है।" वित्तीय संकट में फंसने के बाद 20 अक्टूबर 2012 को किंगफिशर एयरलाइंस को बंद कर दिया गया था। माल्या पर किंगफिशर एयरलाइंस से जुड़े धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है और उन्हें ऋणों में चूक करने और बैंकों को कथित रूप से धोखा देने के लिए भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया था। माल्या यूनाइटेड किंगडम भाग गया और भारत में प्रत्यर्पण से बचने के लिए कई मोर्चों पर लड़ रहा है। वह अप्रैल 2019 में गिरफ्तारी के बाद से ब्रिटेन में प्रत्यर्पण वारंट पर जमानत पर है। इससे पहले जून में, विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत ने फैसला सुनाया कि किंगफिशर एयरलाइंस और विजय माल्या से संबंधित 5646.54 करोड़ रुपये की संपत्ति भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और उसके संघ को दे देनी चाहिए, जिससे इसकी बिक्री ठीक हो सके। माल्या और उनकी अब बंद हो चुकी कंपनी पर 6203 करोड़ रुपये का हिस्सा बकाया है।

अफगानिस्तान में तालिबान के बढ़ते प्रभाव से बढ़ेंगी भारत की दिक्कतें?

नई दिल्ली। अफगानिस्तान में तालिबान ने 19 प्रांतों की राजधानियों पर कब्जा कर लिया है और काबुल की ओर बढ़ते जा रहे हैं। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि अगले कुछ दिनों में पूरे अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा हो सकता है। काबुल में तालिबान के होने से भारत के लिए स्ट्रेटजिक विकल्प जटिल हो सकते हैं। हालिया दिनों में भारत के चीन और पाकिस्तान के साथ संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। ऐसे में नई दिल्ली के लिए काबुल में तालिबान के होने से मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

द हिंदू की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत सबसे पहले अफगानिस्तान में रह रहे भारतीयों को निकालने पर काम कर रहा है। डिप्लोमैट्स की उपस्थिति भी कम कर दी गई है। कंधार, मजार–ए–शरीफ, हेरात और जलालाबाद के वाणिज्य दूतावास बंद कर दिए हैं। सिर्फ काबुल दूतावास काम कर रहा है।

पाकिस्तान का अपर हैंड

लश्कर–ए–तैयबा और जैश–ए–मोहम्मद जैसे आतंकी संगठन जो पाकिस्तान–अफगानिस्तान के बॉर्डर इलाके को अपना बेस बनाए हुए हैं, तालिबान के आने से वह पूरे इलाके में अपना ठिकाना बना सकते हैं। अफगानिस्तान पर तालिबान के कंट्रोल का मतलब यह भी है कि अफगानिस्तान में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी का अपर–हैंड रहेगा। पिछले 20 सालों में भारत ने अफगानिस्तान में जो विकास और इन्फ्रास्ट्रक्चर को लेकर काम किया है, वह भी धूमिल पड़ सकता है।

ट्रेड पर खतरा

भारत–अफगानिस्तान ट्रेड पर भी असर पड़ सकता है क्योंकि तालिबान के रहते हुए अफगानिस्तान का ट्रेड ग्वादर और कराची पोर्ट से होगा। ऐसे में भारत का ईरान के चाबहार पोर्ट पर निवेश का अफगानिस्तान के केस में कोई खास तुक नहीं रह जाएगा। यही कारण है कि अमेरिका और चीन ने पाकिस्तान के जरिए कनेक्टिविटी पर जोर दिया है। नया बना अमेरिका–उज्बेकिस्तान–अफगानिस्तान–पाकिस्तान क्वाड ग्रुप इसका उदाहरण है। भारत द्वारा बनाए गए जरांज–डेलाराम हाईवे और सलमा डैम पर तालिबान का कब्जा हो चुका है और कई बड़े प्रोजेक्ट अंडर कंस्ट्रक्शन हैं जिन पर खतरा मंडरा रहा है।

कट्टरपंथ का खतरा

तालिबान के आने से दुनियाभर में इस्लामिक कट्टरपंथ बढ़ने का भी खतरा है और इसका असर भारत पर भी पड़ सकता है। अमेरिकी समर्थन के बाद मुजाहिदों ने सोवियत संघ को हराया था। लेकिन बाद में अफगानिस्तान में कई आतंकी और कट्टरपंथी संगठन सामने आए।

तो फिर भारत के पास क्या विकल्प है?

द हिंदू ने अपने एनालसिस में बताया है कि भारत के पास कुछ ऑप्शन हैं लेकिन ये आसान नहीं हैं। एक ऑप्शन ये हो सकता है कि भारत काबुल में सिर्फ लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार का समर्थन करने और मानवीय सहायता देने के अपने स्टैंड पर टिके रहे। एक ऑप्शन यह भी हो सकता है कि भारत, अफगानिस्तान सेना को ईरान के रास्ते सैन्य मदद दे। लेकिन तालिबान ने धमकी दी है कि भारत अगर अफगान सेना को सपोर्ट करता है उसे नतीजे भुगतने होंगे। एक विकल्प यह हो सकता है कि तालिबान से बातचीत की जाए। लेकिन पाकिस्तान फैक्टर और ऐतिहासिक कारणों और मौजूदा हालातों की वजह से भारत के लिए यह बहुत मुश्किल भरा हो सकता है।

एक और ऑप्शन यह हो सकता है कि भारत अभी सिर्फ श्वेट एंड वाचश की रणनीति अपनाए। तब तक, जब तक कि कोई एक पक्ष जीत न जाए और फिर उसके बाद अपनी पॉलिसी पर काम करे। यह ऑप्शन ठीक सा लगता है लेकिन इससे भारत, अफगानिस्तान के बड़े खिलाड़ियों की लिस्ट से बाहर हो सकता है। हाल ही में मोदी सरकार ने दोहा में हुए श्क्षेत्रीय वार्ताश में भाग लेने के निमंत्रण को स्वीकार किया लेकिन उद्घाटन सत्र से बाहर रही। तो ऐसे में अफगानिस्तान में भारत की राहें आसान नहीं दिखती।

मोदी 25 सितंबर को कर सकते हैं यूएनजीए सत्र को संबोधित

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के वार्षिक सत्र को 25 सितंबर को पीएम मोदी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के उच्च स्तरीय वार्षिक सत्र को 25 सितंबर को व्यक्तिगत रूप से संबोधित करने की उम्मीद है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी वक्ताओं की अनंतिम सूची में उनका नाम शामिल है। सूची और कार्यक्रम में बदलाव हो सकता है और उच्च स्तरीय वार्षिक सत्र के लिए यहां संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में विश्व नेताओं की उपस्थिति कोविड–19 की वैश्विक स्थिति पर महत्वपूर्ण रूप से निर्भर करेगी, खासकर बेहद संक्रामक डेल्टा स्वरूप के अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र सदस्य राष्ट्रों में तेजी से फैलने के मद्देनजर। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र में आम चर्चा के लिए वक्ताओं की पहली अनंतिम सूची के मुताबिक, मोदी 25 सितंबर की सुबह उच्च स्तरीय सत्र में भाषण देंगे। वह उस दिन के लिए सूचीबद्ध पहले नेता हैं। इससे पहले 2019 में, मोदी उच्च स्तरीय संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के लिए न्यूयॉर्क गए थे। पिछले साल, पीएम मोदी समेत विश्व नेताओं ने सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के लिए पहले से रिकॉर्डेड वीडियो भाषण सौंपे थे क्योंकि राष्ट्र प्रमुख और सरकार कोरोना वायरस महामारी के कारण वार्षिक सभा में खुद से मौजूद नहीं रह सकते थे। यह संयुक्त राष्ट्र के 75 साल के इतिहास में पहली बार था जब उच्च स्तरीय सत्र ऑनलाइन हुआ था। इस साल भी, विश्व के नेताओं के लिए पूर्व–दर्ज बयान भेजने का विकल्प खुला रखा गया है क्योंकि दुनिया भर के कई देशों में महामारी का प्रकोप अब भी जारी है। आम चर्चा 21 सितंबर से शुरू होगी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन व्यक्तिगत रूप से सत्र को संबोधित करने वाले हैं जो अमेरिकी नेता के रूप में विश्व संगठन में उनका पहला संबोधन होगा। जापानी प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा और ऑस्ट्रेलियाई नेता स्कॉट मॉरिसन भी 24 सितंबर को व्यक्तिगत रूप से आम चर्चा को संबोधित करने के लिए सूचीबद्ध हैं।

भाजपा विधायक उमेश मलिक की कार पर हमला, तेल डालकर शीशे तोड़े

मुजफ्फरनगर। यूपी के मुजफ्फरपुर जिले के गांव में जन कल्याण समिति की स्थापना दिवस की बैठक में शामिल होने पहुंचे बुढाना भाजपा विधायक उमेश मलिक की कार पर भाकियू कार्यकर्ताओं ने हमला बोल दिया। विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्होंने विधायक की गाड़ी के शीशे तक तोड़ दिए। विधायक किसी तरह वहां से भाग निकले। इस दौरान मौजूद पुलिस मूकदर्शन बनी रही। मामले की जानकारी जब पार्टी को हुई तो केन्द्रीय राज्यमंत्री नामजद एफआईआर दर्ज कराने के लिए थाने पहुंच गए। जिले के सिसौली गांव में शनिवार को जन कल्याण समिति की स्थापना बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें शामिल होने के लिए बुढाना भाजपा विधायक उमेश मलिक अपनी कार से गांव पहुंचे थे। बताते हैं कि विधायक की कार देखते हुए भाकियू के कार्यकर्ताओं ने उनकी कार को घेर लिया और प्रदर्शन करने लगे। भाकियू कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के दौरान उनकी गाड़ी पर खेरली काला तेल फेंककर कार के शीशे भी तोड़े। पूरे विरोध प्रदर्शन के दौरान किसान नेता सरदार वीएम सिंह और पुलिस कर्मी भी मौजूद थे। विधायक किसी तरह वहां से अपनी गाड़ी लेकर चले गए।

अवकाश सूचना

सुधी पाठकों, हॉकर बंधुओं, विज्ञापन दाताओं एवं अभिकर्ताओं को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। इस अवसर पर बुद्ध का संदेश कार्यालय रविवार 15 अगस्त को बंद रहेगा। अगला अंक मंगलवार 17 अगस्त को प्रकाशित होगा।

–प्रकाशक

15 अगस्त को अभेद्य होगा दिल्ली का आसमान, दिल्ली एयरपोर्ट से आने–जाने वाली चार्टर्ड और ट्रांजिट फ्लाइट्स पर रोक

नई दिल्ली। 75वें स्वतंत्रता दिवस (प्दकमचमदकमदबम क्ंल) के मद्देनजर जहां दिल्ली–एनसीआर के साथ ही देशभर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। जमीन से लेकर आसमान तक सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कड़ी निगरानी की जा रही है। सुरक्षा में कोई चूक न हो इसके लिए दिल्ली हवाईअड्डे से आने–जाने वाली उड़ानों पर सख्ती बढ़ा दी गई है। एयरमैन द्वारा दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (प्ळप्) के लिए जारी किए गए नोटिस के अनुसार, स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को चार्टर्ड (बिना–शेड्यूल) फ्लाइट्स के लिए किसी भी ट्रांजिट फ्लाइट को सुबह 6रू00 बजे से 10रू00 बजे और शाम 4रू00 बजे से 7रू00 बजे के बीच उतरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। शेड्यूल फ्लाइट्स अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उडेंगी। साथ ही, भारतीय वायु सेना (प्।थ्), सीमा सुरक्षा बल (ठैथ्), सेना के हेलीकॉप्टर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और राज्य सरकारों के विमान ध हेलीकॉप्टर राज्यों के राज्यपाल और मुख्यमंत्री के साथ उड़ान भर सकते हैं। चप्पे–चप्पे पर पुलिस की तैनाती के बीच पुलिस के आला अधिकारी और दिल्ली से लगी सीमाओं, होटलों, गेस्ट हाउसों, मॉल, भीड़भाड़ वाले बाजारों और मेट्रो स्टेशन पर सघन जांच कर रहे हैं। वहीं, दिल्ली में दाखिल होने वाले वाले हर वाहन और व्यक्ति की गहन जांच की जा रही है। इसके साथ ही स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली पुलिस ने राजधानी में सुचारू रूप से वाहनों की आवाजाही जारी रखने को ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। डीसीपी (द्वारका) संतोष कुमार मीणा ने कहा कि 15 अगस्त के चलते पुलिस की नियमित तैनाती के अलावा किरायेदारों, नौकरों की वेरिफिकेशन और साइबर कैफे की जांच की जा रही है। हम विदेशी नागरिकों की भी जांच कर रहे हैं और अवैध रूप से रह रहे विदेशी लोगों के खिलाफ भी हमने बड़ी संख्या में कार्रवाई की है। जिन जगहों से ड्रोन को ऑपरेट किया जा सकता है, हम उनकी भी निगरानी कर रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की ताकि

राजधानी में सुचारू रूप से वाहनों की आवाजाही जारी रहे। ट्रैफिक एडवाइजरी के मुताबिक, स्वतंत्रता दिवस के दिन लाल किला के आसपास आम लोगों के लिए यातायात सुबह चार बजे से सुबह दस बजे तक बंद रहेगा और यह केवल अधिकृत वाहनों के लिए खुला रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वतंत्रता दिवस पर लाल किला से देश को संबोधित करेंगे। इसने कहा कि आठ सड़कें– नेताजी सुभाष मार्ग, लोथियान रोड, एस पी मुखर्जी मार्ग, चांदनी चौक रोड, निषाद राज मार्ग, एस्प्लानेड रोड और नेताजी सुभाष मार्ग तक जाने वाला इसका लिंक रोड, राजघाट से आईएसबीटी तक रिंग रोड, आईएसबीटी से आईपी फ्लाईओवर तक बाहरी रिंग रोड 15 अगस्त की सुबह चार बजे से सुबह दस बजे तक आम लोगों के लिए बंद रहेगा। एडवाइजरी में कहा गया है कि बिना पार्किंग लेबल वाले वाहनों को सलाह दी गई है कि इंडिया गेट के सी–हेक्सागन, कॉपरनिकस मार्ग, मंडी हाउस, सिकंदरा रोड, तिलक मार्ग, मथुरा रोड, बहादुर शाह जफर मार्ग, सुभाष मार्ग, जवाहरलाल नेहरू मार्ग, निजामुद्दीन और आईएसबीटी पुल के बीच रिंग रोड, आईपी फ्लाईओवर बायपास से आईएसबीटी तक बाहरी रिंग रोड की तरफ जाने से बचें। उत्तर–दक्षिण की तरफ जाने वाले वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि अरबिंदो मार्ग–सफदरजंग रोड, कनॉट प्लेस– मिंटो रोड और यमुना पुश्ता रोड–जीटी रोड पार करने के लिए निजामुद्दीन पुल से वैकल्पिक मार्ग का चुनाव करें। वहीं, पूर्वी–पश्चिमी कॉरिडोर के लिए वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि डीएनडी–एनएच24–विकास मार्ग, विकास मार्ग–डीडीयू मार्ग और बोलवार्ड रोड–बरफ खाना से वैकल्पिक मार्ग अपनाएं।

आप सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस हार्दिक शुभकामनाएं

कई बड़े आंदोलनकारियों के साथ दिल्ली में अंग्रेजों से लोहा लेते रहे मौलाना: अब्दुल कय्यूम

गांव पहुंचते ही ब्रिटिश हुकूमत ने कर लिया था गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। बढ़नी ब्लॉक के दुधवानिया बुजुर्ग गांव में 10 जनवरी 1920 को जन्में मौलाना अब्दुल कय्यूम रहमानी का स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान रहा। मौलाना पढ़ाई के दौरान से ही स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े जिसके कारण उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा। वह देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के करीबियों में शामिल रहे। गांव के में ही प्राथमिक शिक्षा ग्रहण करने के बाद मौलाना ने भारत नेपाल सीमा पर स्थित जामिया सराजुल उलूम मे पढाई करने के बाद वह उच्च शिक्षा के लिए देश विभाजन से पहले प्रसिद्ध संस्था ष्दारूल हदीस रहमानिया देहली मे दाखिल हुए। इसी समय देश की आजादी के लिए महात्मा गाँधी जी ने अंग्रेजो भारत छोडो का नारा दिया तो मौलाना भी पूर्ण रूप से स्वतंत्रता आंदोलन मे शामिल हो गये। कई सालों तक दिल्ली में बड़े आंदोलनकारियों के साथ अंग्रेजों से लोहा लेते रहे। गांव पहुंचते ही हो गई थी गिरफ्तारी कांग्रेस द्वारा चलाये जा रहे आंदोलनो एंव कार्यक्रमों मे शामिल होने के कारण मौलाना साहब अंग्रेज सरकार की नजर मे आ गए। 1942 में जब वह गांव लौटे तो ब्रिटिश सरकार ने उनको उनके पैत्रिक गाँव दुधवनिया बुजुर्ग से गिरफ्तार कर लिया और उनको बस्ती जेल मे रखा और फिर वही से गोरखपुर पुनरू नैनी इलाहाबाद जेल मे दिनाँक 22.8.1942 ई. से दिनाँक 22.5.1943 ई. तक रखा गया। मौलाना नैनी जेल के जिस बैरक में बंद थे। उसी में लाल बहादुर शास्त्री, फिरोज गाँधी, हजरत मौलाना हुसैन मदनी, असीरे मालटा, मुजफ्पर हुसैन, डाक्टर काटजू, पुरूषोत्तम दास टंडन, विशम्भर दयाल, पंडित कमला पति त्रिपाठी आदि देश के ख्याती प्राप्त राजनेता नजरबन्द थे। दस वर्ष के बराबर थी 24 घंटे की सजा एक बार दो माह के लिए

लखनऊ मे नजरबन्द रहे। स्वतंत्रता सेनानी कृपा शंकर के कथनानुसार इलाहाबाद ले जाने के पहले गोरखपुर मे 24 घंटे तक एक छोटे कमरे मे कई अन्य स्वतंत्रता सेनानियों को रखा गया, वह सजा दस वर्ष की सजा से कष्टपर्द थी। मौलाना और उनके साथियों की देन है कि आज बस्ती, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, गोंडा, महाराजगंज जनपद साम्प्रदायिक सौहार्द के एक उदाहरण हैं। मौलाना अपने जीवन के अंतिम दिनो में भी अपने साथी स्वतंत्रता सेनानियों कृपा शंकर, राम शंकर, कृष्णचंद्र शास्त्री, काजी अदील अब्बासी, काजी जलील अब्बासी, अब्दुल हकीम, शीतल प्रसाद त्रीपाठी को बड़े सम्मान के साथ याद करते थे। महात्मा गांधी के अहिंसा आंदोलन और मौलाना आजाद के राष्ट्रवाद से वह बेहद प्रभावित थे। शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देश आजाद हुआ तो मौलाना ने शिक्षा की अलख जगाने का बीड़ा उठाया। बढ़नी में गांधी आदर्श विघालय इंटर कालेज के संस्थापक सदस्य रहे। हाईस्कूल और बाद मे इंटर कालेज की मान्यता मिली और मौलाना कालेज के प्रबन्धक भी रहे अपने प्रबन्धकीय कार्यकाल मे मौलाना ने सोलह एकड जमीन खरीदकर शिक्षा संस्था को दिया। इस्लामी शिक्षा के लिए मौलाना साहब ने अकरहरा सिद्धार्थनगर में दरसगाह इस्लामिया नाम से संस्था कायम की जो आज भी चल रही है। जामिया सिराजुल उलूम (कृष्णानगर नेपाल) में आगे बढाने मे भरपूर सहयोग किया और स्वयं संस्था के 25 वर्षो तक अध्यछ रहे। अल्पसंख्यको में आधुनिक शिक्षा प्रसार के लिए मुस्लिम हायर सेकण्डरी स्कूल ग्राम महदेईया मे जो नौगड के निकट है,जिसे मौलाना साहब ने स्थापित किया था। जो आज जिले का प्रमुख मान्यता प्राप्त विघालय है। राजनैतिक समबन्ध भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू से लेकर प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गाँधी, स्व चौधरी चरण सिंह तक आपको व्यक्तिगत रूप से जानते थे उत्तर प्रदेश के कई मुख्यमंत्रियों से आपके निजी सम्बंध थे। इतना व्यापक राजनैतिक सम्बन्ध होने के बाद आपने कभी कोई सत्ता का लाभ नही लिया। विद्वान के रूप मे मौलाना अब्दुल कयूम साहब इस्लामी शिक्षा के देश और विदेशों में भी कुरान और हदीस की आधिकारिक विद्वान के रूप में माने जाते थे यही कारण था कि मध्यपूर्व से न जाने कितने शिक्षा प्रेमी आपसे मिलने, देखने और शिक्षा लेने के लिए अत्यंत पिछड़े जनपद सिद्धार्थनगर के छोटे से गांव दुधवनियां बुजुर्ग आया करते थे। इस्लाम में कहीं विश्व गुरू जैसा शब्द नहीं है और न ही इसका कही इस्तेमाल हुआ है। इसके बावजूद मध्य पूर्व विशेष कर सऊदी अरब के लोग मौलाना को शैखुल आलम अर्थात विश्व गुरू कहते थे। मौलाना से शिक्षा लेने वालों में मदीना शरीफ के मस्जिद ए नबवी के इमाम शेख अली अब्दुल रहमान अल हुफैजी, मदीना विश्व विघालय के हदीस विभागध्यछ शेख मो.इब्राहिम, डा0 यहया जैसे लोग है।

पानी के निकास की समस्याओं का किया समाधान अधिशासी अधिकारी : जितेंद्र यादव

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत उसका बाजार के गांध

ीनगर वार्ड नंबर 03 में पानी के निकासी न होने पर सड़के टूट जाती है और नगर पंचायत उसका बाजार के अध्यक्ष पुनीता यादव एवं अधिशासी अधिकारी जितेंद्र कुमार यादव के अथक प्रयासों से पानी निकास की समस्यायों का समाधान किया गया कई वर्षो से विवादो में रहा और बरसात में लोगो को बहुत ही समस्याओं का सामना करना पड़ता है कई बार सड़के बनती थी तो जैसे ही बरसात होती थी पानी भर जाता था और सड़क तोड़ देती थी कोसिस करने के बाद अब पानी का निकासी हो सकेगा और लोगो को अब समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा मौके पर उसका बाजार की पुलिस भी रही।

स्वत्रंत्रता दिवस को लेकर इंडो–नेपाल बार्डर पर सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थ नगर। स्वत्रंत्रता दिवस को देखते हुए

इंडो–नेपाल की खुली सीमा चौकी खुनुवां बॉर्डर पर 43 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल सीमा चौकी खुनुवां बीओपी प्रभारी गिरधारी लाल व एसआई श्यामलाल खुनुवां पुलिस चौकी प्रभारी सभाशंकर यादव ने सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद बनाए रखने के लिए भारत–नेपाल की खुली सीमा पर शनिवार को गश्त किया। इस दौरान सीमा पर एस एसबी व पुलिस की संयुक्त जवानों ने स्वत्रंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर माल वाहक वाहनों की सघन जांच करने के बाद ही बॉडर पार करने दिया गया। इस दौरान देश विरोधी तत्वों पर जवानों की पैनी नजर रही। भारत की एसएसबी व यूपी पुलिस संयुक्त रूप से खुनुवां बॉडर पर डटी रही। इस दौरान एसएसबी एसआई श्यामलाल, मुख्यआरक्षी कपिल ,अमित रजावत, खुनुवा चौकी प्रभारी सभा शंकर यादव खुर्शीद आलम ,देवचंद ,शमीम अंसारी,सतीश कुमार आदि मौजूद रहे।

भारतीय जनता युवा मोर्चा की आगामी कार्य योजना को लेकर बैठक संपन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जिला

मुख्यालय स्थित रेस्ट हाउस सिद्धार्थनगर में भारतीय जनता युवा मोर्चा की आगामी कार्य योजना को लेकर के बैठक संपन्न की गई।

बैठक के मुख्य अतिथि युवा मोर्चा गोरखपुर क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सूरज राय रहे। कार्यक्रम में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मंडल स्तर पर किए जाने वाले राष्ट्रगान, युवा संकल्प पद यात्रा एवं अमृत उत्सव कार्यक्रम के निमित्त आवश्यक करणीय बिंदुओं पर विचार विमर्श हुआ। बैठक में अपना विचार रखते हुए क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सूरज राय ने कहा कि, प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर स्वतंत्रता दिवस की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर युवा मोर्चा ने राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर सामूहिक राष्ट्रगान कार्यक्रम, युवा संकल्प पद यात्रा एवं 17 अगस्त को संपूर्ण गोरखपुर क्षेत्र का एक जनसभा का वृहद आयोजन गोरखपुर में होना सुनिश्चित किया गया है जिसमें सिद्धार्थनगर के युवा मोर्चा के सभी युवा साथियो का मैं आह्वान करता हूँ। हमें 2022 में 350+ सीटों का लक्ष्य लेकर प्रदेश में फिर से कमल खिलाना है और भाजपा को प्रदेश में पुनः स्थापित करना है।

इस आगामी कार्यक्रम के संयोजक जिला मंत्री अर्चिमान मिश्र ने स्वागत भाषण, संचालन मंडल उपाध्यक्ष– इटवा मनोज अग्रहरि एवं आभार ज्ञापन जिला उपाध्यक्ष दिनेश यादव ने किया। जिला मीडिया प्रभारी विकास पाण्डेय बताया कि उक्त कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष निलेश चौधरी, अनुभव मिश्र, विवेक गुप्ता, संदीप कसौधन, अमितेश्वर शुक्ल, धीरज जायसवाल, मनोज अग्रहरि, मनोज गुप्ता, सुनील पाण्डेय, सत्यम पाठक, सचिन गुप्ता, अभिषेक पाण्डेय, दीपचन्द साहनी अन्य देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अखंड भारत स्मृति दिवस पर एक भारत ,श्रेष्ठ भारत का संकल्प लें युवा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मुख्यालय

स्थित रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज तेतरी बाजार में अखंड भारत स्मृति दिवस मनाया गया। जहां भारतवर्ष की एकता और अखंडता पर बल दिया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी ने कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा भारतवर्ष के टुकड़े समय–समय पर होते गए। विगत 300 वर्षों में 8 बार भारत को खंडित किया गया इसके कारण क्या थे। इस पर पुनर्विचार करना होगा खंडित भारत को पुनः अखंड बनाना होगा। अखंड भारत की परिकल्पना केवल कल्पना मात्र नहीं है अब वह दिन निकट है जब अखंड भारत की परिकल्पना पूर्ण होगी। कभी लाल चौक पर झंडा फहराने की लोगों में हिम्मत नहीं होती थी। आज लाल चौक पर झंडा एक दिन नहीं बल्कि 365 दिन फहर रहे हैं। एक शिक्षक होने के नाते हमारा भी धर्म है कि हम युवा समाज को सही दिशा व दशा देकर उनकी सोच को बदलें। कन्हैया कुमार जैसे लोग समाज में पैदा हो रहे हैं उनके विचारों को परिवर्तित करना होगा। इसके लिए युवा समाज को आगे आना होगा एक भारत , श्रेष्ठ भारत भारत को बनाने के लिए संकल्प लेना होगा। इसके पूर्व विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य गोविंद सिंह ने कहा अखंड भारत में आज के अफगानिस्तान , तिब्बत ,भूटान ,म्यांमार, नेपाल बांग्लादेश और श्रीलंका आते हैं। इन्हें सांस्कृतिक भारत भी कहा जाता है। यह सफलता तब तक अधूरी मानी जाएगी जब तक भारत को पुनः अखंड नहीं बनाया जाएगा। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य मदन मोहन सिंह समेत समस्त आचार्य बंधुओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

भाजपा सरकार में प्रदेश में हुए ऐतिहासिक विकास कार्य– अभय प्रताप राव

दैनिक बुद्ध का संदेश

हाटा कुशीनगर। भाजपा सरकार ने सभी वर्गो के हितों को ध्यान में रखकर

योजनाएं चलकर सभी को लाभान्वित करने का काम किया बेरोजगारों के उत्थान हेतु रोजगार परक योजनाओ से बेरोजगार एवं गरीब लाभान्वित हुए प्रदेश की योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश को अपराध मुक्त कर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने का काम किया है उक्त बातें सुकरौली में नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए भाजपा के युवा नेता अभय प्रताप राव ने कहीं उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में जहां कौशल विकास योजना के तहत प्रदेश के युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार देने का काम किया वही इस कोरोना महामारी में गरीबों को निःशुल्क राशन देने का काम कर रही है आज योगी सरकार के नेतृत्व में जहां प्रदेश अपराध मुक्त हुआ है वही योगी के खौफ से अपराधी प्रदेश छोड़ भाग निकलें है योगी के नेतृत्व में प्रदेश में ऐतिहासिक विकास कार्य हुएं उन्होनें ने कहां कि आगामी 2022 में योगी के नेतृत्व में पुनः उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी इस दौरान सागर वीर सिंह विशाल सिंह बलराम यादव मोती सौरभ राकेश विशाल लालबाबू संदीप ओदश धर्मपाल रामप्रवेश आदित्य हिमांशु आदि मौजूद रहे।

डुमरियागंज के इतिहास में ऐतिहासिक होगा 75वां स्वतंत्रता दिवस

दिलीप श्रीवास्तव/दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। भारत अपनी आजादी का 75 वां

वर्षगांठ मनाएगा। कई सौ सालों की गुलामी के बाद भारत 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ। ये आजादी तमाम परेशानियों और भारत माँ के वीर सपूतों के बलिदान के बाद मिली। भारत को आजादी दिलाने के लिए 1857 की क्रांति का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। डुमरियागंज क्षेत्र के वीर सपूतों ने भी आजादी के महासंग्राम में अपनी आहूति दी थी। डुमरियागंज क्षेत्र के वीर सपूतों ने जहां से आजादी का महासंग्राम छेड़ा था आज वो स्थान अमर शहीद स्थल के रूप में जाना जाता है। इस बार डुमरियागंज क्षेत्र में मनाया जाने वाला आजादी का 75वां वर्षगांठ कई मायनों में बहुत अलग और ऐतिहासिक होगा। डुमरियागंज के भाजपा विधायक और हिन्दू युवा वाहिनी के प्रदेश प्रभारी राघवेंद्र प्रताप सिंह की अगुआयी में डुमरियागंज क्षेत्र के विभिन्न चौराहों से तिरंगा यात्रा निकाल कर बजरंगी चौक पर 101 फीट ऊँचा तिरंगा फहराया जाएगा। डुमरियागंज के लिए यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि होगी जब देश की आन बान और शान भारत का राष्ट्रीय ध्वज आकाश में लहरा रहा होगा। देश की आजादी में अपने प्राणों की आहूति दे चुके क्षेत्र के अनगिनत शहीदों के लिए इससे बड़ा सम्मान और क्या होगा। आज मिल रहे इस सम्मान से उनकी आत्मा भी संतुष्ट हो रही होगी। अब तक अँधेरे की गुमनामी में खोये हुए इन सपूतों कों मिलने वाले इस सम्मान से क्षेत्रवासी भी अपने आपको गौरवान्वित महसूस करेंगे और उन्हें भी पता चलेगा कि देश की आजादी में उनके पूर्वजों ने भी अपने प्राण न्योछावर किये हैं। बजरंगी चौक पर होने वाले इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को लेकर डुमरियागंज विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह तमाम तरह की व्यस्तताओं के बाद भी पूरा समय दे रहे हैं। और पूरे कार्यक्रम का अपडेट लेने के साथ ही खुद बजरंगी चौक पहुंच कर आवश्यक दिशा निर्देश भी देते हैं।

हत्या कर फेंका गया महिला का शव, पुलिस ने बरामद किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। खोराबार थाना क्षेत्र के जंगल चौरी गांव के समीप फोरलेन से कुछ दूरी पर स्थित झाड़ी में शनिवार के दोपहर में लगभग 24 वर्षीय महिला का शव पुलिस ने बरामद किया। मिली जानकारी के अनुसार खोराबार थाना क्षेत्र के रामनगर कडजहां चौकी अंतर्गत आज दोपहर कुछ लोग टहल रहे थे इसी दौरान उन्हें एक महिला का शव दिखाई दिया। जिस पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। आसपास के लोगों को

बुलाकर महिला की पहचान कराने की कोशिश की गई। लेकिन पहचान नहीं हो सका। अंदाजा लगाया जा रहा है। कि महिला इस क्षेत्र की रहने वाली नहीं है। महिला को देखने से लग रहा है कि किसी अच्छे परिवार से संबंध रखती है। उस के मांग में सिंदूर पैर में बिछुआ व पायल व शरीर पर पीले कलर का सलवार और सफेद मैरून कलर का समीज है। उसके मुंह और नाक से ब्लड निकला हुआ है। गले पर दबाने का निशान तथा सिर पर चोट लगने का निशान है। मौके की स्थिति को देखने से प्रतीत होता है कि महिला की हत्या कहीं और की गई और शव को लाकर के यहां फेंक दिया गया। रामनगर कडजहां चौकी प्रभारी चंदन कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर के पहचान कराया गया लेकिन पहचान नहीं हो सकी। उसके बाद शव का पंचनामा करा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद और पहचान होने के बाद इस पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

थाने पर आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस का हाल

- प्राचीन मंदिर के धर्मशाला पर दबंग द्वारा किया जा रहा है कब्जा
- मंदिर का सर्बराकार दबंग के हरकत से परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। उपनगर के वार्ड क्रमांक 10 निवासी वीरेंद्र कुमार गुप्ता शनिवार को शासन के निर्देशानुसार थाने पर आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस पर पहुच कर एक आवेदन पत्र समाधान दिवस प्रभारी तहसीलदार गोला केशव प्रसाद को देते हुए कहा कि नगर पंचायत गोला अंतर्गत आराजी नम्बर 528 में बिराजमान ठाकुर जी महाराज का प्राचीन मंदिर स्थित है। जो हमारे पूर्वजो द्वारा बनवाया गया है। हम उसके सर्बराकार है मंदिर से सटे आबादी की जमीन पर एक प्राचीन धर्मशाला स्थित है। उस

धर्मशाला को बगल मे रहने वाले दबंग ब्यक्ति रामहरख पुत्र तीरथ राज द्वारा अबैध रूप से कब्जा कर लिया है। ऊक्त ब्यक्ति सरकस व मनबढ़ किस्म का ब्यक्ति है। गैर जनपद का रहने वाला है। कानून कायदे का कोई पाबन्दी मानने वाला ब्यक्ति नही है। ठाकुर जी मंदिर के धर्मशाला पर रामहरख द्वारा दबंगई पूर्वक किये गए कब्जे को मुक्त कराया जाय। तहसील दार गोला ने एस आई मु कादिर कोजांच कर रिपोर्ट देने केलिए आदेश जारी किया। समाधान दिवस पर दिए गए आदेश का पालन कहा तक गोला पुलिस करती है। यह एक यक्ष प्रश्न खड़ा पड़ा है। सनद रहे कि शासन द्वारा तहसील व थानों पर सम्पूर्ण समाधान आयोजन करने की मंशा रहा कि तहसील पर हर बिभाग से लोग उपस्थित होंगे। पीड़ित की फरियाद किसी भी बिभाग से सम्बंधित हो उसका समाधान निकल जायेगा ।वही थाने पर आयोजित होने वाले समाधान दिवस पर राजस्व बिभाग का सक्षमअधिकारी और पुलिस बिभाग संयुक्त रूप से तत्काल आवेदन पर विचार करते हुए संयुक्त टीम मौके पर पहुच कर मामले का समाधान करा देगा। लेकिन शासन के मंशा पर जिम्मेदार लोग अपने कर्तब्य का निर्बहन कितना किस रूप में कर रहे है। और धरातल पर कितना लाभ मिल रहा है। यह एक बिचारणीय प्रश्न है। क्या प्राचीनठाकुर जी के मंदिर के बगल में स्थित धर्मशाला दबंगो के चंगुल से मुक्त हो जाएगा। यह प्रश्न क्षेत्र में चर्चा के रूप में चल पड़ा है।

लापता भैंस गंभीर पुर में मिलीं, मालिक को सुपुर्द की गईं

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। गरया कोल ,गगहा निवासी रामानुज यादव की दो

अदद भैंस गायब हो गईं। बहुत खोज बीन किया। लेकिन कहीं पता नही मिला। इंटरनेट व वाट्सएप के जरिये सूचना प्रसारित किया गया कि गंभीर पुर, गगहा निवासी जय प्रकाश सिंह ने रात 8 बजे बहक कर आई दो भैंस बांध रखे हैं और गांव–गांव खबर दे रहे हैं। शनिवार को 10 बजे भैस मालिक रामानुज यादव व विजय मल यादव निवासी गरया कोल गगहा आये। उनके द्वारा भैंस की हुलिया के बारे में पूछ–ताछ कर, मिलान कर दो अदद भैंस सुपुर्द कर दिया। उनका कहना था कि अगर भैंस को आप बांध ा कर नहीं रोकते तो हमें अभी और भटकना पड़ता।

सम्पादकीय

निस्संदेह कोर्ट का यह कदम नैसर्गिक न्याय के अनुसार ही राजनीति व अपराध के अपवित्र गठबंधन को रोकने में सहायक होगा। हाल के दिनों में कई राज्य सरकारों ने अपने सांसदों व विधायकों के खिलाफ दर्ज मामले वापस लिये हैं। निस्संदेह कई मामले ...

दागी नहीं मंजूर

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिये एक आदेश में देश के लोकतंत्र की शुचिता के लिये बड़ा व सख्त कदम उठाया है। अब जागरूक जनता व चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि पाक–साफ लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिये सजग–सतर्क रहकर कदम उठाये। कोर्ट ने मंगलवार को पिछले बिहार चुनाव के दौरान दागी उम्मीदवारों के बाबत अपने पिछले निर्देशानुसार जानकारी समय रहते सार्वजनिक न करने पर राजनीतिक दलों पर नकद जुर्माना लगाया। चुनावों के दौरान उम्मीदवारों का आपराधिक इतिहास सार्वजनिक करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन न करने पर भाजपा व कांग्रेस पर एक–एक लाख रुपये तथा एनसीपी व सीपीएम पर पांच–पांच लाख का जुर्माना लगाया गया। न्यायमूर्ति फली नरीमन और न्यायमूर्ति बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने विभिन्न दलों पर आदेश न मानने पर दर्ज अवमानना की याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया। इस बाबत फरवरी, 2020 में कोर्ट ने दलों को यह बताने का निर्देश दिया था कि दागियों को चुनाव में खड़ा करना क्यों जरूरी है। साथ ही दागियों पर दर्ज मुकदमों का विवरण पार्टी वेबसाइट पर डालना जरूरी था। इस कदम को मतदाताओं के जानने के अधिकार को प्रभावी व सार्थक बनाने के लिए जरूरी बताया गया था। अब अदालत ने जरूरी कर दिया है कि दलों की वेबसाइट के होमपेज पर श्आपराधिक इतिहास वाले उम्मीदवारच्य कैप्शन डाला जाये। अदालत ने चुनाव आयोग से कहा है कि वह मतदाता जागरूकता अभियान चलाये। इसके लिये एक मोबाइल एप बनाने को कहा ताकि मतदाता दागी उम्मीदवारों का अतीत अपने मोबाइल पर आसानी से जान सकें। साथ ही एक सेल बनाने को भी कहा जो अदालत के फैसले के क्रियान्वयन की निगरानी करेगा। सेल के जरिये उल्लंघन की जानकारी कोर्ट को देने को कहा गया है ताकि अवमानना की कार्रवाई हो सके। शीर्ष अदालत ने मतदाता जागरूकता के लिये सोशल मीडिया, वेबसाइटों, टीवी विज्ञापनों, प्राइम टाइम डिबेट, पैम्फलेट व विज्ञापन के जरिये अभियान चलाने को कहा। इसके अतिरिक्त अदालत ने चुनाव आयोग को चार सप्ताह में एक फंड बनाने के भी निर्देश दिये, जिसमें अदालत की अवमानना पर लगने वाले जुर्माने की रकम को डाला जा सके। शीर्ष अदालत ने यह भी आदेश दिया कि दागी उम्मीदवारों के बारे में सूचना राजनीतिक दल 48 घंटों के भीतर जारी करें, न कि नामांकन दाखिल करने की तारीख से दो सप्ताह पहले। साथ ही चुनाव आयोग से कहा कि न्यायालय के निर्देश का पालन न करने का मामला संज्ञान में लायें ताकि अदालत की अवमानना के तहत कार्रवाई हो सके। निस्संदेह, कोर्ट की पहल एक सार्थक कदम है लेकिन आर्थिक दंड चुकाना साधन संपन्न राजनीतिक दलों के लिये बायें हाथ का खेल है। कोर्ट को आदेशों का उल्लंघन करने पर सख्त दंड का प्रावधान रखना चाहिए। अब नागरिकों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे कोर्ट व आयोग की पहल पर विवेकशील पहल करें। दरअसल, दागी जनप्रतिनिधि राजनीतिक दलों के लिये परेशानी नहीं अतिरिक्त योग्यता के वाहक बने हुए हैं। यही वजह है कि जहां देश में वर्ष 2004 में 24 फीसदी सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज थे, वहीं एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार 2019 में इनकी संख्या 43 फीसदी हो गई है। दूसरी ओर शीर्ष अदालत ने राज्य सरकारों को निर्देश दिया है कि सत्तारूढ़ राजनीतिक दल अपने सांसदों व विधायकों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले हाईकोर्ट की अनुमति के बगैर वापस नहीं ले सकते।

कूट–रीति से इम्यूनिटी बढ़ाने की नीति

शमीम शर्मा

एक डॉक्टर सहेली ने मुझे कूट–रीति के बारे में नवीनतम जानकारी दी है। उनका कहना है कि प्राचीन समय में लोग उतने बीमार नहीं होते थे, जितने आजकल होते हैं क्योंकि पहले कूटने की रीत थी, जिससे परिवार के सभी लोगों की इम्यूनिटी पॉवर मजबूत रहती थी। जब से कूटना छोड़ा है तब से हम सब को बीमारियों ने घेर लिया है। सर्वविदित है कि पहले खेत से अनाज को कूट कर घर लाया जाता था। धान को भी घर पर कूटकर चावल निकालते थे। रसोई के सभी मसाले भी कूटे जाते थे और सर्दियों में तो अदरक की खूब ऐसी की तैसी होती थी। चटनी कूटना–पीसना आम था। इतना ही नहीं, घरों में कपड़े भी कूट–कूट कर धोये जाते थे।

कभी–कभार जब बड़ा भाई छोटे भाई को कूटता था तो कुटने पर छोटे वाला मां से शिकायत करता। शिकायत सुनकर मां बड़े वाले को चप्पल या थापी से कूटने में विलंब नहीं करती थी। इसके अलावा कोई बच्चा गली–मोहल्ले में जरा–सा भी नुकसान कर देता तो पिताजी जम कर कूटते थे। यानी कुल मिलाकर घर–परिवार में कूटने का काम निर्बाध गति से चलता ही रहता था। कूटने वाले कूट–कर्म को पूरी तरह नैतिक और धार्मिक कृत्य जैसा गरिमामय समझते थे।

स्कूल में ऊकचूक हो जाने पर या कटवां पहाड़े सुनाने में गलती हो जाने पर मास्टरजी कूटते थे और कभी आधी छुट्टी में खेलते–कूदते–फांदते समय यदि कहीं चोट लग जाती तो फिर पिता जी कूटते थे। गनीमत यही है कि इस कूट–पीट में बीमारी पास नहीं फटकती थी। इतना ही नहीं यदि सर्दियों में बच्चा नहाने से इनकार करता तो मां पहले तो उसे कूट कर उसकी इम्यूनिटी पॉवर में इजाफा करती थी और उसके बाद स्नान–संस्कार संपन्न करती।

अब समय बदल गया है। एक बच्चे ने अपनी मम्मी से पानी मांगा तो जवाब मिलाकृखुद उठकर पी ले। बच्चे ने फिर पानी मांगा। मां को गुस्सा आ गया और वह कहने लगीकृअब अगर पानी मांगा तो खींच के थप्पड़ मारूंगी। बच्चा कहने लगाकृठीक है मम्मी, जब थप्पड़ मारने आओ तो पानी लेती आना।

गरीब को न्याय व सम्मान हो लक्ष्य

ओबीसी की संख्या या प्रतिशत पता कर लेने से देश और समाज को क्या फायदा हो जाएगा यदि ओबीसी की जातिगत जनगणना कराने के बाद संख्या घट गई तो क्या ओबीसी को प्रदत्त आरक्षण के प्रतिशत को कम कर दिया जाएगा या ओबीसी आबादी बढने की दशा में ओबीसी के आरक्षण के प्रतिशत को बढ़ा दिया जाएगा जातिगत जनगणना से जातिगत राजनीति नहीं बढ़ जाएगी आज गरीबों की संख्या की गणना ...

विवेक सिंह

गरीबी की कोई जाति नहीं होती परंतु देश में जाति पर आधारित जनगणना की मांग लगातार विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा उठाई जा रही है। जातिगत जनगणना की मांग कोई नयी नहीं है। जातिगत जनगणना की मांग विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा 1947 से लगातार की जा रही है। 1951 में तत्कालीन गृहमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल ने जातिगत जनगणना की मांग एक सिरे से खारिज करते हुए ऐसी जनगणना को सामाजिक सौहार्द के लिए खतरनाक बताया था। क्या आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं सामाजिक न्याय और पिछड़ों के उत्थान के लिए अनेक अन्य रास्ते सरकारों के पास उपलब्ध हैं फिर जातिगत जनगणना पर इतना जोर आखिर क्यों दिया जा रहा है

जातिगत जनगणना देश की सामाजिक और राजनीतिक हालात को देखते हुए उचित प्रतीत नहीं होती। जातिगत जनगणना के आंकड़ों से राजनीतिक दल राजनीतिक समीकरण साधने का प्रयास करेंगे, पिछड़ों के विकास और सामाजिक न्याय का उद्देश्य गौण हो जायेगा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा केंद्र सरकार को एक पत्र लिखा गया, जिसमें जातिगत जनगणना की मांग की गई है। तेजस्वी यादव ने भी नीतीश कुमार की मांग का समर्थन किया है। समाजवादी पार्टी शुरू से ही जातिगत जनगणना के पक्ष में है। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस की महाआघाड़ी सरकार ने भी जातिगत जनगणना के समर्थन में एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजा है जिसे महाराष्ट्र के बीजेपी नेताओं का भी समर्थन है। तमिलनाडु सरकार द्वारा भी जातिगत जनगणना कराने के लिए प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है। नेशनल कमीशन फॉर बैकवर्ड क्लास, जो कि एक संवैधानिक संस्था है उसने भी जातिगत जनगणना कराने की मांग की है। 2018 में केंद्र सरकार ने भी 2021 में होने वाली जनगणना जाति आधारित हो सकती है, इस तरफ इशारा किया था, हालांकि अभी केंद्र सरकार जातिगत जनगणना कराने के पक्ष में नहीं है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने यह स्पष्ट किया है कि सरकार 2021 में होने वाली जनगणना में पिछड़े वर्ग की गणना कराने के पक्ष में नहीं है।

भारत में जनगणना आरंभिक रूप से 1872 में शुरू हुई थी परंतु प्रथम पूर्ण जनगणना 1881 में हुई। इसके बाद 1891, 1901, 1911, 1921, 1931 और 1941 में भी जातिगत जनगणना हुई थी। 1941 में द्वितीय विश्व युद्ध होने की वजह से आंकड़ों को पूर्ण रूप से संकलित नहीं किया जा सका। 1931 की जनगणना अंतिम जातिगत जनगणना थी जो भाषा, धर्म और जाति पर आधारित थी। हमारे पास आज जो जातियों और उनकी संख्या (प्रतिशत) के विषय में जानकारी उपलब्ध है उसका आधार 1931 में हुई जनगणना है।

1931 की जनगणना के अनुसार देश में अनुसूचित जाति (एससी) के लोगों की संख्या 15.5 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति (एसटी) 7 प्रतिशत और अन्य पिछड़ी जातियों (ओबीसी) की संख्या 52 प्रतिशत थी। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि 1931 के जनगणना के समय पाकिस्तान और बांग्लादेश भारत के ही हिस्से थे, देश की जनसंख्या 27 करोड़ थी जो आज 140 करोड़ है। मंडल कमीशन ने 1931 की जनगणना को आधार मानते हुए ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की बात कही जिसे तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने लागू किया। वर्तमान में 1931 के जनगणना के अनुसार ही ओबीसी को 27 प्रतिशत, एससी को 15 प्रतिशत और एसटी को 7.5 प्रतिशत (कुल 49.5 प्रतिशत) आरक्षण दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक किसी भी हाल में आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं दिया जा सकता। ऐसी स्थिति में पिछड़ों की संख्या जानने से क्या हासिल होगा। देश की आजादी के उपरांत 1951 से लेकर 2011 तक संपन्न हुई कोई भी जनगणना जाति आधारित नहीं थी। 1951 से यह परंपरा बन गई कि जनगणना में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों को शामिल किया जाएगा और इनकी संख्या की गणना की जाएगी। एससी और एसटी को छोड़कर किसी और जाति को जनगणना में शामिल नहीं किया जाएगा। 2011 में यूपीए सरकार ने जातिगत जनगणना के लिए अलग से एक सोशियो इकोनामिक एंड कास्ट सेंसस (एसईसीसी) कराने का निर्णय लिया। एसईसीसी में 640 जिलों में आने वाले सभी 24.49 करोड़ घरों को शामिल किया गया और इस पर 4894 करोड़ रुपए खर्च भी हुए। रिपोर्ट 2013 में आ भी गई परंतु आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया गया। ओबीसी आरक्षण का फायदा अभी तक कुछ दर्जन जातियां ही उठा रही हैं, जबकि पिछड़े वर्ग में हजारों जातियां हैं। यदि ओबीसी में आने वाली बड़ी जातियां अपने लिए 27 प्रतिशत आरक्षण के अंदर अपनी संख्या के अनुसार 3 प्रतिशत, 4 प्रतिशत या 5 प्रतिशत आरक्षण की मांग करने लगीं तो उस स्थिति में सरकारों के लिए एक नई मुसीबत खड़ी हो जाएगी। ओबीसी में आने वाली जातियां और उपजातियां हर राज्य में एक समान नहीं हैं। संविधान निर्माताओं ने जाति रहित समाज की परिकल्पना की थी। आज जब जाति को खत्म करने की कोशिश होनी चाहिए उस समय जाति पर आधारित जनगणना के लिए सरकार पर राजनीतिक हित हेतु राजनीतिक दलों द्वारा दबाव बनाया जा रहा है। जातिगत जनगणना से जाति प्रणाली को और मजबूती मिलेगी। सवर्ण सोशल माइनोरिटी में आ जाएंगे। देश में पिछड़े वर्ग से संबंधित लोगों की संख्या काफी बढ़ी है।

127वां संविधान संशोधन विधेयक 105 वश्न संशोधन के रूप में पारित हो जायेगा, इसके उपरांत राज्य सरकारों द्वारा अरक्षण की सीमा को 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ाने की मांग तेज की जायेगी। संविधान निर्माताओं का इरादा आरक्षण को अनंतकाल तक लागू करने का नही था, मगर समाज में व्याप्त जाति असंतुलन को हटाने के लिए सरकारों में गंभीर चिंतन एवं प्रयास की कमी रही है, इसलिए अनुसूचित...

ओबीसी आरक्षण विधेयकः अन्य पिछड़ा वर्ग के सशक्तिकरण में सहायक

डॉ. सुभाष चंद्राकर

केन्द्र सरकार का 127वां संविधान विधेयक–2021 संसद के दोनों सदनों से सर्वसम्मति से पारित हो गया । इस बिल के खिलाफ एक भी वोट का नही पडना, इस बात का संकेत है, कि सभी राजनीतिक दल इस विषय पर केन्द्र सरकार के साथ खड़े है । लोकसभा और राज्यसभा में जिस शांति के साथ विपक्ष ने इस बिल के समर्थन किया, उससे केन्द्र राज्य संबंधो को समझने एवं जन आकांक्षाओं का सम्मान करने का भाव सभी राजनीतिक दलो में परिलक्षित हो रहा है । गांधी जी के राजनीतिक गुरू गोपाल कृष्ण गोखले कहते थे कि, भारतीय समाज को कुंठा से बचाने के लिए आरक्षण जरूरी है । इस बात को डॉ. अम्बेडकर ने संविधान सभा में आगे बढ़ाया, व तमाम बहस के उपरांत सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग को आरक्षण देने की सहमति बनी, संविधान के तीसरे भाग में अनुच्छेद 15 में आरक्षण का जिक्र है । अनुसूचित जाति को 15 प्रतिशत तथा अनुसूचित जनजाति को 7.5 प्रतिशत आरक्षण सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों में 10 वर्षो के लिए दिया गया था व 10 वर्षो के बाद हालात की समीक्षा करने की बात तय की गयी थी । पिछड़ी जातियों की सुनवाई सबसे पहले वर्ष 1953 में हुई जब प्रसिद्ध गांधीवादी विचारक दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर जो काका कालेलकर के नाम से प्रसिद्ध थे की अध्यक्षता में राष्ट्रीय पिछड़ी जाति आयोग का गठन किया गया । आयोग ने बेहद वैज्ञानिक पद्धति से भारत के विभिन्न राज्यो में आयोग द्वारा प्रस्तावित पिछड़ी जातियों व शासन के पदाधिकारियों द्वारा किसी पिछड़ी जाति समूह की प्राप्त जानकारी के आधार पर व्यापक अध्ययन किया, वर्ष 1901, 1911, 1921 तथा 1931 की जनगणना में जातिवार आंकड़ों का संकलन किया गया था, व वर्ष 1956 में अन्य पिछड़ी जाति (ओबीसी) वर्ग के लिए आरक्षण सिफारिश की गयी, जिसे उस समय की सरकार ने अस्वीकार कर दिया था ।

वर्ष 1979 में मोरारजीभाई की सरकार ने समाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े लोगों की स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए मंडल आयोग का गठन किया, मंडल आयोग ने 1980 में रिपोर्ट पेश की, जिसमें उन्होने आरक्षण के मौजूदा कोटा 22 प्रतिशत को बढ़ाकर 49.5 प्रतिशत करने की सिफारिश की तथा पिछड़ी जातियों की 2279 जातियों को चिन्हांकित किया। मण्डल आयोग का रिपोर्ट 10 वर्ष तक धूल खाता रहा। वर्ष 1990 मे विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार ने मण्डल आयोग की सिफारिश को सरकारी नौकरी में लागू कर दिया ।

वर्ष 1992 में इंदिरा साहनी एवं अन्य बनाम केन्द्र सरकार में सर्वोच्च–न्यायालय ने अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए अलग से आरक्षण को सही ठहराया परंतु आरक्षण की सीमा को 50 प्रतिशत के भीतर रखने का फैसला दिया। परंतु तमिलनाडु में वर्ष 1989 से कुल आरक्षण की सीमा 69 प्रतिशत है, जो अभी भी कायम है। अगस्त, 1990 में मण्डल आयोग कि सिफारिश लागू होने के बाद से लगातार केन्द्रीय सरकार की नौकरिया में आरक्षण प्राप्त करने के लिए जातियों को अधिसूचित करने का कार्य केन्द्र सरकार द्वारा व राज्य सरकार की नौकरियों में ओबीसी आरक्षण हेतु जातियों को अधिसूचित करने का कार्य राज्य सरकार द्वारा किया जाता रहा है ।

केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2018 में 123वां संशोधन लाया गया जोकि 102वां संशोधन के रूप में पास हुआ था, व इस संशोधन के द्वारा धारा 366 में 26 सी जोड़ा गया व केन्द्र व राज्य की अलग–अलग ओबीसी सूची बनाने का प्रावधान रखा गया, धारा–ए 338 में 338 बी को जोड़ा गया व राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया तथा 342–ए में 1 जोड़ा गया, जिसमें संघ सरकार की नौकरियों हेतु ओबीसी सूची में किसी जाति को अधिसूचित करने का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया व 342 ए–2 में राज्य सरकार की नौकरियों में आरक्षण हेतु ओबीसी सूची में किसी जाति को अधिसूचित करने का अधिकार राष्ट्रपति को होगा जब राज्यपाल, राष्ट्रपति से सिफारिश करेगा । गड़बड़ यहीं से शुरू हुई और राज्य सरकारों द्वारा इसका विरोध भी किया गया । महाराष्ट्र सरकार द्वारा मराठो को ओबीसी सूची में अधिसूचित कर आरक्षण दिया गया जिसे सर्वोच्च न्यायालय में जयश्री लक्ष्मीराव पाटिल बनाम मुख्यमंत्री महाराष्ट्र केस में चुनौती दी गई, सर्वोच्च न्यायालय ने 102 संवैधानिक संशोधन को कोट करते हुए महराष्ट्र में मराठा आरक्षण को गैर संवैधानिक मानते हुए निरस्त कर दिया व कहां कि किसी भी राज्य सरकार को ओबीसी सूची में नई जातियों के अधिसूचित करने का कोई अधिकार नही है, केन्द्र या राज्य सरकार की ओबीसी सूची में किसी नई जाति को अधिसूचित करने का अधिकार सिर्फ राष्ट्रपति को है। इस मामले पर केन्द्र सरकार ने पुर्नविचार याचिका दायर की परंतु सर्वोच्च न्यायालय ने याचिका निरस्त कर दिया । इससे केन्द्र सरकार द्वारा 127वें संविधान संशोधन की भूमिका तैयार हो गई । संसद से 127वां संशोधन विधेयक को मंजूरी मिल गयी है, व शीघ्र ही राष्ट्रपति के हस्ताक्षर उपरांत भारत के सभी राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों को विभिन्न जातियों को ओबीसी की सूची में रखने का अधिकार मिल जायेगा । इस बिल के कानून बन जाने से निम्नलिखित लाभ होगा–

राज्यों को ओबीसी सूची बनाने का अधिकार प्राप्त होने से केन्द्र एवं राज्यों के मध्य तल्खी मे कमी आयेगी।

महाराष्ट्र में मराठा समुदाय को ओबीसी में शामिल करने का रास्ता साफ हो जायेगा।

हरियाणा में जाट समूदाय को ओबीसी में शामिल करने का रास्ता साफ हो जायेगा।

गुजरात मे पटेल समुदाय को ओबीसी में शामिल करने का रास्ता साफ हो जायेगा।

कर्नाटक में लिंगायत समुदाय को ओबीसी में शामिल होने का मौका मिलेगा।

राजस्थान में गुर्जर समुदाय को ओबीसी में शामिल होने का मौका मिलेगा।

सभी राज्य सरकारें अब अपने–अपने राज्यों में अन्य पिछड़ी जाति (ओबीसी) की सूची को संशोधित कर, नयी जातियों को अधिसूचित कर सकेगी ।

इस विधेयक के पारित होने से पूर्व व्यवस्था में निम्नलिखित परिर्वतन आयेगा–

राज्य सरकारों को अब अपनी ओबीसी सूची को लागू करने से पहले राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग से परामर्श की आवश्यकता नही होगी। सभी राज्य सरकारें एवं संघ शासित प्रदेश को ओबीसी सूची बनाने का पूर्ण अधिकार होगा, इसमें केन्द्र सरकार का किसी भी प्रकार से दखल नही होगा। केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा अलग–अलग ओबीसी सूची का निर्माण कर क्रमशरू राष्ट्रपति एवं राज्यपाल द्वारा अधिसूचित किया जायेगा। 127वां संविधान संशोधन विधेयक 105 वॉ संशोधन के रूप में पारित हो जायेगा, इसके उपरांत राज्य सरकारों द्वारा अरक्षण की सीमा को 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ाने की मांग तेज की जायेगी। संविधान निर्माताओं का इरादा आरक्षण को अनंतकाल तक लागू करने का नही था, मगर समाज में व्याप्त जाति असंतुलन को हटाने के लिए सरकारों में गंभीर चिंतन एवं प्रयास की कमी रही है, इसलिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं ओबीसी का आरक्षण तब तक जारी रहना चाहिए, जब तक उनको अपनी जनसंख्या के अनुपात में सब जगह प्रतिनिधित्व नही मिल जाता। यह कार्य शासन एवं प्रशासन के कर्णधारो का है वंचित वर्ग का नही। लेखक प्राध्यापक, दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर हैं (आलेख में व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं)

ऑपरेशन शिकंजा चलाकर अपराधियों पर कसा जाएगा शिकंजा: एडीजी जोन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन गोरखपुर अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए संवेदनशील रहते हुए ऑपरेशन शिकंजा अभियान चलाकर अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने का कार्य करेंगे एडीजी जोन अखिल कुमार ने बताया कि ज्यादातर मामलों में अपराधी गवाहों को विभिन्न प्रकार से प्रभावित करके न्यायालय में अपने विरूद्ध चलाये जा रहे मुकदमें को कमजोर कर देता है। इसलिए यह आवश्यक है कि ऐसे अपराधियों के विरूद्ध अभियान चलाकर सजा दिलाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाय, जिसमें अपेक्षित सफलता हासिल करने के लिए पूरे जोन में एक अभियान चलाया जायेगा , जिसका नाम होगा आपरेशन शिकंजा। अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे विभिन्न अभियानों में सामान्यतः पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ विभिन्न गिरफ्तारी निरोधात्मक कार्यवाही विभिन्न अपराधों में लिप्त रहने में उनके विरूद्ध कार्यवाही करने और गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्यवाही की जाती हैं और ज्यादातर मामलों में इन सभी प्रक्रियाओं में प्रभावी कार्यवाही नहीं होने की वजह से पेशेवर अपराधी जल्द ही जमानत पर छोड़ दिये जाते हैं। इन सन्दर्भो में पुलिस स्तर से प्रभावी पैरवी नहीं किया जाना इसका प्रमुख कारण होता है। कोई भी अपराधी गवाहों को विभिन्न प्रकार से प्रभावित करके न्यायालय में अपने विरूद्ध चलाये जा रहे मुकदमें को कमजोर कर देता है। इसलिए

यह आवश्यक है कि ऐसे अपराधियों के विरूद्ध अभियान चलाकर सजा दिलाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाय, जिसमें अपेक्षित सफलता हासिल करने के लिए पूरे जोन में एक अभियान चलाया जायेगा, जिसका नाम आपरेशन शिकंजा। आपरेशन शिकंजा का विशेष उद्देश्य विगत वर्षों में जनपद में घटित सनसनीखेज अपराधिक घटनाओं जैसे हत्या नाबालिग लड़कियों के साथ बलात्कार एवं बलात्कार सहित हत्या सामूहिक बलात्कार बड़े माफियाओं व अपराधियों द्वारा किए गये अपराध जो जनमानस में चर्चा का विषय रहे हों विशेष रूप से चिन्हित करके इन समस्त मुकदमों का आरोप–पत्र प्रेषित करने के बाद नियमित रूप से पैरवी करना होगा । ऐसा करने से न केवल अपराध करने वाले का अपराधियों एवं माफियाओं का मनोबल टूटेगा, बल्कि जनता के बीच सुरक्षा की भावना सुदृढ़ होगी और कानून का राज सही मायने में स्थापित करने में हम एक कदम और आगे बढ़ेंगे। अपराधों को थानावार छाँटकर जनपदीय पुलिस अधीक्षकध्वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अपने स्तर से सूची बनायेंगे । इस सूची को तैयार करते समय जनपद में एक लम्बे समय से रह रहे तथा अपराध नियंत्रण के दिशा में रूचि लेने वाले आरक्षियों मुख्य आरक्षियों एवं समाज के लोगों से सम्पर्क करेंगे और ऐसे मामले, जो जनमानस के बीच चर्चा का विषय रहा हो और जिसको लेकर जनता में भय और कौतुहल का माहौल बना हो उनका समावेश अवश्यतः किया जायेगा। तत्पश्चात् पुलिस अधीक्षक द्वारा सूचीबद्ध समस्त अपराधियों का विश्लेषण जनपद में नियुक्त ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी अथवा संयुक्त निदेशक अभियोजन से वार्ता करके उन वादों की गहन समीक्षा करेंगे जिससे विवेचना उच्च कोटि की मजबूत और न्यायालय में निस्तारण की संभावना अधिक हो सके। ऑपरेशन शिकंजा 1 सितंबर से प्रारंभ किया जाएगा उसके पहले संबंधित अधिकारी अति वांछित अपराधियों की सूची तैयार कर लें किसी भी अपराधी को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा उनका एक ही स्थान है जेल।

शीघ्र निस्तारित करें वनटांगिया गांव के पट्टे के मामले : डीएम

महराजगंज। वनटांगिया ग्राम में पट्टे के लिए दावे के मामलों को लेकर जिलाधिकारी डा. उज्ज्वल कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय में बैठक की गई। इस दौरान वनटांगिया ग्राम भारी बैंसी में पट्टे के लिए 158 आवेदनों पर विचार किया गया। जिलाधिकारी ने समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रभागीय वन अधिकारी गोरखपुर प्रभाग, एसडीएम फरेंदा और तहसीलदार फरेंदा के साथ समन्वय स्थापित करते हुए पट्टे के आवेदनों को 15 दिनों के भीतर नियमानुसार निस्तारित किया जाए। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि निस्तारण के क्रम में वनटांगिया ग्राम समिति के साथ बैठक कर सहमति ले ली जाए। इसके अलावा इस संदर्भ में आवश्यक पैमाइश को सक्षम स्तर से करा लिया जाए। बैठक में प्रभागीय वन अधिकारी गोरखपुर अविनाश कुमार, एसडीएम फरेंदा अभय कुमार गुप्ता, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर पांडेय समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधान संघ ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

महराजगंज। अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संघ मिठौरा ने सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया को ज्ञापन सौंप विभिन्न समस्याओं के निस्तारण की मांग की है। प्रधान संघ अध्यक्ष रघुनाथ पटेल एवं महामंत्री सच्चिदानंद मौर्य ने ज्ञापन में बताया कि पूर्व में प्रधानमंत्री आवास के जो पात्र लोगों का डाटा फीडिग हुआ था। वह किन्हीं कारणों से डाटा जीरो हो गया है। वर्तमान समय में मिठौरा ब्लाक के गांवों में प्रधानमंत्री आवास योजना का कोई लाभार्थी नहीं है। जबकि नए सिरे से भी कोई डाटा फीडिग नहीं हो पा रहा है जिससे ग्राम की गरीब जनता सरकार के महत्वाकांक्षी योजना से वंचित हो रही है। संतमुनि त्रिपाठी, कृष्णानंद, गिरिजेश गुप्ता, कन्हैया, उमेश आदि प्रधान मौजूद रहे।

अनियमितता में कोटे की एक दुकान का लाइसेंस निरस्त, दो निलंबित

महराजगंज। गरीबों के राशन में घटतौली करने पर जिलापूर्ति अधिकारी एपी सिंह ने एक कोटे की दुकान का लाइसेंस निरस्त और दो का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। सदर ब्लाक के ग्राम पंचायत सिंहपुर में सुग्रीव वर्मा की सरकारी सस्ते गल्ले (कोटे) की दुकान थी। घटतौली करने, अधिक मूल्य वसूलने के आरोप में जिलाधिकारी के निर्देश पर दो मार्च को दुकान का लाइसेंस निलंबित कर दी गई थी। इसकी जांच चलती रही। आपूर्ति निरीक्षक की जांच में ग्रामीणों की शिकायत सही निकली। जिस पर जिलापूर्ति अधिकारी ने सुग्रीव वर्मा के कोटे की दुकान के लाइसेंस को निरस्त कर दिया है। वहीं सिसवा ब्लाक के कड़जा गांव के कोटेदार आदित्य पांडेय की भी ग्रामीणों ने शिकायत की थी। जांच में आरोप सही पाए जाने पर आदित्य पांडेय के कोटा का लाइसेंस निलंबित करते हुए उसे गड़ौरा के कोटेदार दीपक की दुकान से संबद्ध कर दिया है। इसके अलावा सिसवा ब्लाक के ही पड़री खुर्द उर्फ गांव के कोटेदार रामनयन की भी अनियमितता की शिकायत थी। जांच में आरोप सही निकला। इसपर डीएसओ ने रामनयन की कोटे की दुकान का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। दुकान को रतनपुर के कोटेदार नाथूराम से संबद्ध किया गया है। जिलापूर्ति अधिकारी एपी सिंह ने बताया कि अनियमितता की शिकायत मिलने पर एक कोटे का लाइसेंस निरस्त और दो कोटे का लाइसेंस निलंबित किया गया है।

बीएसए के निरीक्षण में बंद मिले विद्यालय

महराजगंज। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव ने फरेंदा व नौतनवा क्षेत्र के नौ विद्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में जहां चार विद्यालय पूर्ण रूप से बंद मिले वहीं पांच विद्यालयों से अधिकांश शिक्षक बिना अवकाश लिए गायब रहे। निरीक्षण के क्रम में सर्वप्रथम फरेंदा के प्राथमिक विद्यालय सेमरा डांडी व नौतनवां का पूर्व माध्यमिक विद्यालय संपतिहा, बगहा व प्राथमिक विद्यालय छपवां बंद मिला। निरीक्षण के दौरान सहायक अध्यापक नीतू श्रीवास्तव व सरिता उपस्थित हुई। दोनों को स्पष्टीकरण तलब किया गया। अनुपस्थित अमित कुमार व सुशील कुमार प्रसाद शाही का वेतन बाधित कर दिया गया। पूर्व माध्यमिक विद्यालय बरगदवा रामसहाय सहायक अध्यापक शिरीष कुमार एवं शिव शंकर प्रसाद के अनुपस्थित मिलने पर वेतन बाधित किया गया। पूर्व माध्यमिक विद्यालय लेहड़ा सहायक अध्यापक प्रेम नारायन, मधु श्रीवास्तव का वेतन बाधित किया गया। पूर्व माध्यमिक विद्यालय लोहसी व प्राथमिक विद्यालय विशुनपुरा जेहरी में शिक्षक उपस्थित मिले। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव ने बताया कि मामले में गायब मिले शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

फर्जी टेलीकाम एक्सचेंज सेंटर चला रहे दो भाइयों को एसटीएफ ने दबोचा

देवरिया। फर्जी टेलीकाम एक्सचेंज सेंटर के जरिए इंटरनेशनल काल को लोकल काल में बदलकर बात कराने वाले गिरोह का एसटीएफ ने भंडाफोड़ किया। इस मामले में गोरखपुर के विजय चौराहा के निकट देवरिया जिले के तरकुलवा थाना क्षेत्र के कौलाचक के रहने वाले दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 69 नेटसेटर, तीन राउटर, दो मोबाइल, एक टूलकिट, कूटरचित आधार कार्ड समेत अन्य सामान बरामद किया है। दोनों को लेकर एसटीएफ तरकुलवा क्षेत्र के रामपुर धौताल व कौलाचक पहुंची। वहां छानबीन कर वापस गोरखपुर के लिए रवाना हो गई। एसटीएफ गोरखपुर के इंस्पेक्टर सत्य प्रकाश सिंह के मुताबिक, तरकुलवा थाना क्षेत्र के कौलाचक के रहने वाले आरिफ खान व अरबाज खान पुत्रगण क्यूम खान गोरखपुर में किराए के मकान में रहते थे। गोरखपुर के विजय चौराहा के समीप एक गैस गोदाम की गली में फर्जी टेलीकाम एक्सचेंज सेंटर बनाकर इंटरनेशनल काल को बाइपास कर लोकल काल की दर पर बात कराते थे। एसटीएफ ने दबिश देकर आरिफ खान व अरबाज खान को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों के पास से 2160 रुपये नकद, एक सिम बाक्स, 69 नेटसेटर, 24 सिम कार्ड, दो लैपटाप, तीन राउटर, दो मोबाइल, एक टूलकिट, दो पैन कार्ड, चार कूटरचित आधार कार्ड, दो कूटरचित मतदाता पहचान पत्र बरामद हुआ। दोनों को एसटीएफ लेकर जिले के उनके गांव कौलाचक पहुंची और छानबीन की। यहां तीन और लोगों से एसटीएफ व तरकुलवा पुलिस ने पूछताछ की। एसटीएफ इंस्पेक्टर ने बताया कि विदेशों से आने वाले काल को लोकल काल में बदलकर बात कराना धोखाधड़ी है।

सभासद हत्याकांड में नपा अध्यक्ष उमाशंकर सिंह सहित छह अभियुक्तों को उम्रकैद

देवरिया। जनपद न्यायाधीश रविनाथ की अदालत ने सात साल पहले बरहज के तत्कालीन सभासद मिहिरकांत तिवारी की हुई हत्या के मामले में बरहज के वर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष उमाशंकर सिंह उर्फ उमेश सिंह समेत छह अभियुक्तों को हत्या व आपराधिक षड्यंत्र का दोषी माना है। दिए फैसले में अदालत ने सभी छह अभियुक्तों को उम्रकैद की सजा सुनाई। अदालत ने साक्ष्य के अभाव में एक आरोपित को दोषमुक्त कर दिया। दोष सिद्ध अभियुक्तों पर अर्थदंड भी लगाया गया है। सभी अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। जिला शासकीय अधिवक्ता राजेश कुमार मिश्र व अजीत तिवारी ने बताया कि 23 जून 2014 की शाम छह बजे नगरपालिका के नंदना वार्ड पश्चिमी के तत्कालीन सभासद मिहिरकांत तिवारी घर की बिजली आपूर्ति खराब होने की शिकायत करने विद्युत उपकेंद्र बरहज पर गए थे। उसी समय बरहज थानाक्षेत्र के गौरा के रहने वाले सत्यप्रकाश जायसवाल वहां दो साथियों के साथ पहुंचे और उन्होंने मिहिरकांत की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक के पिता कृष्णकांत तिवारी की तहरीर पर बरहज थाने में सत्यप्रकाश जायसवाल, नंदना वार्ड निवासी उमाशंकर सिंह उर्फ उमेश सिंह (वर्तमान अध्यक्ष), उदय प्रताप सिंह उर्फ डिपू सिह, नगरपालिका कार्यालय में कार्यरत कर्मचारी गणेश सिंह, मनोज सिंह व दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ। विवेचक ने गौरा बरहज के मुरारी जायसवाल व परसिया देवार के राम प्रकाश उर्फ नागा यादव की संलिप्तता पाए जाने पर उनके खिलाफ भी आरोप पत्र दाखिल किया था। अभियोजन पक्ष ने कुल 13 गवाहों को पेश किया। दोनों पक्षों के तर्को व साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद न्यायाधीश ने पाया कि आरोपित सत्यप्रकाश, मुरारी जायसवाल, राम प्रकाश उर्फ नागा ने गोलबंद होकर हत्या की थी। इसलिए तीनों को दोषी पाए जाने पर उम्रकैद व 25 हजार रुपये जुर्माना, उमाशंकर सिंह उर्फ उमेश सिंह, गणेश सिंह व उदय प्रताप उर्फ डिपू को हत्या व आपराधिक षडयंत्र में उम्रकैद व पांच हजार रुपये जुर्माना से दंडित करने का फैसला सुनाया। एक आरोपित मनोज सिंह के विरुद्ध साक्ष्य नहीं मिलने पर दोषमुक्त कर दिया।

यह था घटनाक्रम –23 जून 2014 की शाम करीब 6.30 बजे विद्युत उपकेंद्र के पास मिहिरकांत की गोली मारकर हुई थी हत्या। –23 जून 2014 की रात में पिता कृष्णकांत तिवारी की तहरीर पर दर्ज हुआ मुकदमा। –24 जून से घटना के विरोध में सामाजिक संगठनों व अधिवक्ताओं का शुरू हुआ धरना–प्रदर्शन। –25 जून को तत्कालीन डीआइजी संजीव गुप्त ने बरहज का किया था दौरा। –एक जुलाई 2014 को मुख्य आरोपित सत्यप्रकाश जायसवाल सीजेएम कोर्ट में हाजिर। बसपा से रहा उमाशंकर का जुड़ावः नगर पालिका के अध्यक्ष उमाशंकर सिंह उर्फ उमेश वर्ष 2000 में नगर पालिका के सभासद और बाद में उपाध्यक्ष बने थे। वर्ष 2014 में वह बसपा से जुड़े थे।

रिहंद जलाशय में डूबने से 2 युवकों की मौत

18 घंटे बाद रिहंद जलाशय से निकली दूसरे युवक की लाश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बीजपुर/सोनभद्र। रिहंद जलाशय में डूबे 2 युवकों में दूसरे युवक 15 वर्षीय सिमटेश का शव 18 घण्टे बाद शनिवार को

गोताखोरों और स्थानीय लोगों की मदद से जलाशय के बाहर निकाल लिया गया। बताते चलें कि शुक्रवार को मस्जिद में नमाज अदा करने के बाद बाजार के 8 युवक रिहंद जलाशय में नहाने गए थे। नहाते समय सिमटेश व वसीखान गहरे पानी मे चले गए और दोनो की डूबने से मौत हो गयी थी। पुलिस ने दोनो की लाश का पंचनामा उपरांत अग्रिम करवाई के जुट गई है। रात भर चला रेस्क्यू बीजपुर, रिहंद जलाशय में डूबे युवक की तलाश में रात भर पुलिस व सीआईएसएफ के जवान तथा स्थानीय युवकों के साथ पानी मे डटे रहे। रात में अंधेरा होने की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत आ रही थी साथ ही पानी भी गन्दा था जिससे पानी मे कुछ दिखाई नही दे रहा था।रोशनी के लिए एनटीपीसी रिहंद प्रबंधन ने घटना स्थल पर बड़ा टावर लाइट की व्यवस्था तो की लेकिन वो पानी मे काम नही कर रही थी। रात में ही पुलिस ने स्थानीय मछुआरों को नाव और जाल सहित मौके पर बुला लिया था। मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी दुद्धी राम आशीष यादव ने चोपन से गोताखोरो की टीम भी बुला लिया था लेकिन टीम के पहुंचने से पहले ही स्थानीय युवक ने दिलेरी दिखाते हुए युवक का शव खोज निकाला। रेस्क्यू टीम में रहे शामिल बीजपुर , क्षेत्राधिकारी दुद्धी राम आशीष यादव के नेतृत्व में चलरहे रेस्क्यू ऑपरेशन में प्रभारी निरीक्षक देवतानंद सिंह, उपनिरीक्षक बृजेश कुमार पांडेय, लल्लन यादव मय फोर्स सीआईएसएफ के ए सी फायर देवचंद, एसआई भुनेस, इन्सपेक्टर फायर अवधेश कुमार,मनीष कुमार,एसबी सिंह, डी के सिंह एनटीपीसी रिहंद के प्रबंधक अजीत सिंह व ग्राम प्रधानपति विश्राम सागर गुप्ता घटना स्थल पर डटे रहे। दो परिवारों के चिराग बुझ गए घर और मुहल्ले में मातम बीजपुर, शुक्रवार को रिहंद जलाशय में हुयी दुर्घटना में दो परिवारों के चिराग बुझ गए अपने बच्चों को खो देने के गम में दोनों के घर मातम पसरा रहा घरों में चूल्हे नही जले तो मुहल्ले में खामोशी ओढ़े रही। दोनो की माताओं का रो रो कर बुरा हाल है। शुक्रवार को पानी से निकाले गए वसीखान अपने 6 भाई बहनों में सबसे छोटा माँ का दुलारा था। वही सिमटेश अपने चार भाई बहनों में सबसे बड़ा था परिवार को उस पर नाज था बेटा बड़ा होकर परिवार का सहारा बनेगा लेकिन ऊपरवाले को कुछ और ही मंजूर था।

ऐतिहासिक नानाराव पार्क के स्विमिंग पूल में निकला ब्लैक कोबरा

दैनिक बुद्ध का संदेश

कानपुर। के ऐतिहासिक नानाराव पार्क स्थित स्वीमिंग पूल में अचानक ब्लैक कोबरा सांप निकलने से हड़कंप मच गया। यहां आए मॉर्निंग वाकर्स और घूमने आने वाले लोग भाग खड़े हुए। पास ही रहने वाले पूर्व पार्षद सुशील तिवारी ने लोगों की जान बचाने के लिए सांप को बमुश्किल पकड़ लिया। सांप को लोगों ने सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया है। पार्क में रोजाना सैकड़ों लोग मॉर्निंग वॉक करने के साथ ही घूमने भी आते हैं। यहां एक बड़ा स्वीमिंग पूल है। मॉर्निंग वॉकर राहुल कुमार ने बताया कि गंगा में इस वक्त पानी चढ़ा हुआ है, हो सकता है वहां से सांप आ गया हो। यहां कई सांप देखे गए हैं। वन विभाग की टीम का यहां सर्च ऑपरेशन चलाकर सांप जैसे जीवों को पकड़ना चाहिए। नहीं तो किसी की भी जान पर बन सकती है। पार्षद बबलू मेहरोत्रा ने बताया कि नानाराव पार्क के अंदर काफी घना जंगल है। यहां सांपों की अधिकता है। सर्च ऑपरेशन चलाया जाए तो यहां दर्जनों सांप होंगे। लोगों की सुरक्षा को देखते हुए वन विभाग को यहां गंभीरता से काम करना चाहिए।

खुली आयुष्मान कार्ड की पोल,ईलाज के अभाव में कार्ड धारक की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

कानपुर। में गरीबों को मुफ्त और अच्छा इलाज मिले इसके लिए सरकार ने जरूरतमंदों के आयुष्मान कार्ड बना कर दे रही हैं। सरकार ने योजना तो ला दी लेकिन इसको जमीन पर साकार करने वाले जिम्मेदार शायद गंभीर नहीं होते हैं और ना ही सरकार अपनी योजनाओं को लाने के बाद ये जानने की कोशिश करती है कि उसकी योजनाओं का जमीनी स्तर पर क्या हकीकत है। गुरुवार रात से शुक्रवार तक शास्त्री नगर निवासी राम विलास (65) की इलाज के अभाव में भटकते हुए मौत हो गई। यह आयुष्मान कार्ड धारक थे। अच्छा इलाज न मिल पाने के कारण उनकी मौत हो गयी। मृतक के पोते मोहित ने बताया कि बाबा को एक महीने से कमर दर्द की शिकायत थी और वह उठ बैठ

नहीं पाते थे। इलाज के लिए एक निजी डॉक्टर को दिखाया तो उसने एक्सरा करवा कर किसी बड़े अस्पताल में दिखाने की बात कही। शुक्रवार देर रात तकलीफ बढ़ने पर बाबा को लेकर उर्सला पहुंचे तो वहां डॉक्टरों ने देखने के बाद कहा इनकी कमर में टीवी हो गया है इसका इलाज हैलट में हो पाएगा यहां से ले जाओ। जब इलाज के लिए उर्सला से हैलट इमरजेंसी लेकर पहुंचे तो वहां कहा गया की सुबह लेकर आना इतने में डॉ अलोक वर्मा राउंड लेते हुए आ गए जोकि बाबा का इलाज कर रहे थे। उन्होंने कुछ जांचे लिख दी जो हैलट में हो ही नहीं सकती। दरअसल इस मरीज का इलाज सीनियर डॉक्टर आलोक वर्मा कर रहे थे। जब मरीज शक्रवार रात को उर्सला से हैलट पंहुचा तो उसको डॉ आलोक ने ही देखा और कहा की जांच करवाकर मुझे दोबारा दिखाओ। बीचारे तीमारदार और मरीज जांच करवाने के लिए दोबारा एम्बुलेंस कर के निजी पैथोलॉजी गए क्योंकि हैलट में किसी प्रकार की जांचे नहीं हो रही है। जब वह लोग जाँच कराकर वापस हैलट पहुंचे तो उनको पता लगा कि डॉक्टर साहब उठ गए है और वह अपने घर में बनाई गयी ओपीडी में मरीज को देखेंगे। डॉ.वर्मा से जब फोन पर बात की तो उन्होंने बोला कहा कि क्लीनिक ले आओ मरीज को और इसी बीच मरीज की मौत हो गई। जब यह बात डॉ.वर्मा को बताई तो उनका कहना था कि सब ऊपर वाले की मर्जी। आपको बता दें हैलट में सब काम सिर्फ कागज में ही होता है। अगर उस मरीज को एमआरआई मिल जाता तो शायद उसकी जान बच सकती थी। जिस व्यक्ति की मौत हुई है वह बच सकता था लेकिन हैलट अस्पताल में काम करने वालों ने किसी प्रकार की कोशिश नहीं की। शहर में बने मध ुराज अस्पताल में भी यह लोग उस मरीज को लेकर गए थे लेकिन आयुष्मान कार्ड धारक होने के कारण उनको एडमिट नहीं किया और यह भी बोला गया कि यह कार्ड लेकर दोबारा यहां नहीं आना।

अज्ञात हमलावरों ने मारी युवक को कनपटी पर गोली हुई मौत

पुलिस अधीक्षक ने किया घटनास्थल का दौरा दिया जल्द खुलासे का आदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। चोपन क्षेत्र के सिंदुरिया गाँव निवासी एक युवक की शुक्रवारध्शनिवार की रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली कनपटी के पास तमंचा सटाकर मारी गई। उसके बाद शव गांव के मुख्य मार्ग स्थित वर्दिया तिराहे के पास खेत में फेंक दिया गया। शनिवार को सुबह जब लोगों की नजर खेत की तरफ गई तो लाश पड़ी देख अवाक रह गए। नजदीक जाकर देखा तो गोली मारी गई थी। खबर मिलते ही पहुंची पुलिस ने लोगों से जरूरी जानकारी जुटाने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। उधर घटना की सुचना के बाद पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने मौके पर पहुंचकर

घटना का जायजा लिया और परिवार के लोगों तथा मौजूद ग्रामीणों से बातचीत कर हत्या के संबंध में जरूरी जानकारी हासिल की। एसपी की तरफ से टीम गठित कर चोपन पुलिस के साथ ही मातहतों को जल्द खुलासे के निर्देश दिये गये। प्राप्त जानकारी के मुताबिक चोपन थाना क्षेत्र के सिंदुरिया गांव निवासी सुरेंद्र पांडेय (46) पुत्र स्व. संखू पांडेय एक सामान्य किसान थे। उनकी शादी मऊ निवासी तथा पूर्व में चोपन में रेलवे की नौकरी करने वाले व्यक्ति की पुत्री शिवकुमारी से हुई थी मृतक के एक पुत्र जो इंटर में तथा एक पुत्री जो कक्षा 6 में पढ़ती है और लगभग 10 वर्षों से दोनों पती पत्नी के बीच विवाद और तनाव की स्थिति बनी हुई है। विवाह के बाद से सुरेंद्र सिंदुरिया गांव में स्थित अपने पुश्तैनी मकान में अकेले रहते थे। जबकि पत्नी शिवकुमारी दोनों बच्चों के साथ चोपन बैरियर स्थित उनके मकान में रह रही हैं। ग्रामीणों के मुताबिक शुक्रवार की शाम तक वह गांव में देखे गए। वही उनके पुश्तैनी मकान सिंदुरिया में किराए पर रह रहे छात्रों ने पुलिस को बताया कि रात आठ बजे के करीब उनसे दो लोग मिलने आए थे। दोनों के जाने के बाद सुरेंद्र के मोबाइल पर किसी का फोन आया जिसके बाद दो घंटे बाद वापस आने की बात कहकर चले गये। वहीं मौके के निरीक्षण के बाद पत्रकारों से वार्ता करते हुए पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि वर्दिया तिराहे के पास मिले सुरेंद्र के शव पर गन शाट के निशान पाए गए हैं। मौके पर जो भी साक्ष्य मिले हैं उसे परीक्षण के लिए एकत्रित कर लिया गया है। अभी तक की जांच में पारिवारिक विवाद के अलावा उनसे जुड़ा कोई अन्य मामला सामने नहीं आया है। सुरेंद्र गांव में अकेले रहते थे। पत्नी उनकी चोपन बैरियर स्थित मकान पर रहती हैं। हर दृष्टि से मामले की जांच करवाई जा रही है। साथ ही इसके जल्द खुलासे के निर्देश दे दिए गए हैं। वहीं मृतक की बहन सुनीता मिश्रा के द्वारा चार लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दिया गया है।

फैक्ट्री तोड़ने पर सपा विधायक ने खोला सरकार के खिलाफ मोर्चा

गीता की कसम खाकर बोले मुआवजा नहीं मिला

दैनिक बुद्ध का संदेश

कानपुर। से कन्नौज होते हुए अलीगढ़ तक जीटी रोड को 4 लेन करने के लिए रास्ते में आ रहे निर्माणों को तोड़ा जा रहा है। सपा विधायक अमिताभ बाजपेई की मंधना के पास फैक्ट्री है। ये भी हाईवे के चौड़ीकरण के बीच में आ रही है। विधायक ने सरकार पर हल्ला बोलते हुए फैक्ट्री के बाहर जनता की अदालत में अपना पक्ष रखा। इसमें उन्होंने गीता पर हाथ रखकर सौंगध खाई कि उन्हें एक रुपए भी मुआवजा नहीं मिला है। 17 अगस्त तक हाईकोर्ट के स्टे होने के बावजूद फैक्ट्री को तोड़ा गया। सपा विधायक ने सरकार पर हल्ला बोलते हुए कहा कि राजनैतिक नियत से मेरी फैक्ट्री को तोड़ा जा रहा है। मुआवजे की बात पूरी तरह से झूठ है। धोखे से मेरे अकाउंट में भवन का मुआवजा डाला गया। वहीं अवार्ड हुआ मुआवजा तक देने से इंकार किया गया। प्रशासन द्वारा मेरा उत्पीड़न किया जा रहा है। सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ अपनी बात–अपनों के साथ में विरोध–प्रदर्शन करते हुए कहा कि सदन की बैठक में होने के बावजूद फैक्ट्री को तोड़ा गया और मेरे अधिकारों का हनन किया गया। प्रदर्शन में विधायक इरफान सोलंकी, पूर्व विधायक मुनिंद्र शुक्ला, एमएलसी दिलीप सिंह, अर्चना रावत, रचना सिंह भी रहीं। बता दें कि मंधना स्थित बहलौली गांव में विधायक की जीटी रोड किनारे फैक्ट्री है। गुरुवार को फैक्ट्री के बगल में बाजपेई ढाबा गिराया गया। इसमें विधायक के फैक्ट्री की बाउंड्रीवॉल भी गिर गई थी। जिसको लेकर विधायक ने इंटरनेट मीडिया में जबरदस्ती फैक्ट्री तोड़े जाने की बात कही थी। इसके बाद विध ायक ने सैटरडे को प्रदर्शन करने का एलान किया था। मामले में एनएचएआई कन्नौज डिविजन के परियोजना निदेशक प्रशांत दुबे ने बताया कि 16 करोड़ रुपए भवन का मुआवजा दिया जा चुका है। जबकि विधायक ने साफ कहा कि 16 करोड़ रुपए का मुआवजा नहीं दिया गया। विधायक ने इन बिंदुओं पर माँगा सरकार से जबाब कोई नोटिस नहीं सीधे पुलिस बल के दम पर गिराने की कार्रवाई की गई। किसी भी अधिकारी ने कभी भी वार्ता करने का कोई प्रयास नहीं किया। जमीन का एक भी पैसा मुआवजा नहीं दिया गया। भवन का मुआवजा धोखे से अकाउंट में डाला गया। अवार्ड हुआ मुआवजा तक देने से इनकार किया। पीआईएल नंबर–564ध्2020 के निर्णय में 17 अगस्त तक हाईकोर्ट के स्टे के बावजूद निर्माण गिराया। खेती का मुआवजा स्वीकार करने का दबाव बनाया जा रहा। सदन की बैठक के बावजूद मेरे विशेषाधिकार का हनन हुआ है। विभाग के दलाल मध यस्थ बनने का प्रयत्न करते रहे। अलीगढ़ से कानपुर तक सभी कस्बों में बाईपास बनाए गए लेकिन यहां नहीं बनाया जा रहा।

आगामी स्वतंत्रता दिवस के दृष्टिगत के चलते पुलिस ने निकाला रूट मार्च

दैनिक बुद्ध का संदेश

हमीरपुर। आज पुलिस अधीक्षक द्वारा आगामी स्वतंत्रता दिवस

के दृष्टिगत हमीरपुर सदर के बाजार, रिहायसी इलाकों व यमुना परिपथ पर पुलिस फोर्स के साथ गस्त किया गया, गस्त के दौरान महोदय द्वारा जनमानस को सुरक्षा के संबंध में एवं मास्क लगाने के प्रति जागरूक किया गया व घर से निकलते समय हमेशा मास्क पहनने की अपील की गई तथा लोगों से उनकी समस्याएं पूछी व निराकरण हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया, संदिग्ध वाहन व वाहन चालकों की चेकिंग की गई, हेलमेट व मास्क न लगने वालों को चेतावनी दी गई, साथ ही दुकान दारों से बातचीत कर सुरक्षा के सम्बन्ध में जानकारी की गई व भयमुक्त वातावरण में व्यापार करने हेतु आश्वस्त किया गया, सदर क्षेत्र ले होटल, विभिन्न प्रतिष्ठानों व बस स्टैंड आदि पर डॉग स्क्वाड की टीम द्वारा चेकिंग की गई। साथ कोई भी घटना होने की संभावना पर तत्काल पुलिस को सूचित करने को कहा गया। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी सदर, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर, यातायात निरीक्षक, पीआरओ एस0पी0 हमीरपुर, डॉग स्क्वाड टीम व अन्य सम्बन्धित पुलिस बल मैजूद रहे।

दोस्तों के साथ घूमने निकलें युवक का शव पांडु नदी में मिला

दैनिक बुद्ध का संदेश

कानपुर। देहात के शिवली क्षेत्र के अंतर्गत दोस्तों के साथ निकला युवक लापता हो गया और उसका शव सचेंडी थाना क्षेत्र में पांडु नदी में मिलने से सनसनी फैल गई। पिता ने दोस्तों पर बेटे की हत्या कर शव नदी में बहाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। एसडीआरएफ की टीम ने नदी से युवक का शव बहार निकाला तो घर वाले फूटकर रो पड़े। वहीं पुलिस ने युवक के दोस्तों की तलाश शुरू की है। कानपुर देहात के शिवली निवासी कृषक राजेंद्र कुमार का 17 वर्षीय बेटा धीरज शुक्रवार दोपहर गांव के विशाल व अंबुज के साथ बाइक से निकला था। देर शाम तक घर वह वापस नहीं आया तो घर वालों ने खोजबीन शुरू की। स्वजन ने विशाल और अंबुज से बेटे के बारे में पूछा तो दोनों ने पांडु नदी के झकरा डैम में नहाते

समय डूबने की बात कही। यह सुनते ही स्वजन सन्न रह गए और शनिवार सुबह सचेंडी थाने पहुंचकर सूचना दी। स्वजनों ने दोनों के परिवार से पुरानी रंजिश का हवाला देते हुए बेटे की हत्या करके शव पांडु नदी में बहाये जाने का आरोप लगाया। सचेंडी पुलिस ने पांडु नदी में गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश शुरू की लेकिन तेज बहाव के चलते सफलता हाथ नहीं लगी। इसके बाद एसडीआरएफ को एसडीआरएफ की टीम बुलाई गई। एसडीआरएफ ने नदी में जाल डालकर युवक की तलाश शुरू की और घंटों मशक्कत के बाद करीब 12 बजे भौंती के पास शव बरामद हो गया। एसडीआरएफ जवानों ने शव को बाहर निकाला तो घर वाले रो पड़े। पुलिस ने तहरीर के आधार पर युवक के दोस्तों की तलाश शुरू की है। धीरज के पिता राजेंद्र ने पुलिस को बताया कि दोनों युवकों के परिवार से पुरानी जमीनी रंजिश चल रही है। इसके चलते 20 वर्ष पहले युवकों के परिवार ने पिता पर भी जानलेवा हमला किया था। जिसमें दोनों परिवार के कई लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। इसको लेकर बेटे की हत्या किए जाने की आशंका जताई है।

लुटेरों के हौसले बुलंद दिनदहाड़े एटीएम

लूटने जैसी घटनाओं को दे रहें हैं अंजाम

दैनिक बुद्ध का संदेश

कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र में बेखौफ लुटेरों ने भोर पहर एटीएम तोड़कर कैश लूटने का प्रयास कर पुलिस की गश्त की पोल खोल दी। हालांकि बैंक का अलार्म बजने के कारण लुटेरे एटीएम से कैश निकालने में सफल नहीं हो सके और मौके से भाग निकले। घटना की जानकारी होने पर पुलिस पड़ताल करने में जुट गई है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर लुटेरों की पहचान कर रही है। चकेरी के जेके प्रथम में एक्सिस बैंक की शाखा है। जिसके बाद एटीएम भी लगा हुआ है। शनिवार सुबह करीब 7.30 बजे ओमनी वैन से दो युवक एटीएम पहुंचे। युवकों ने लोहे की रॉड से एटीएम तोड़कर रुपए निकालने का प्रयास करने लगे। इस दौरान अचानक बैंक का अलार्म बजने लगा। जिस पर पकड़े जाने के डर से आरोपित मौके से भाग निकले। अलार्म सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की तो पता चला कि पूरा घटनाक्रम बैंक के सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गया है। पुलिस ने स्थानीय लोगों से पूछताछ की तो लोगों ने बताया कि अलार्म बजने से कुछ देर पहले एटीएम में वैन से आए दो युवक गए थे। वही घटना से कुछ देर पहले बाइक सवार दो युवक भी बैंक के बाहर खड़े हुए थे। संभवत वह भी उनके साथ ही थे। वही पुलिस ने संदेह के आधार पर कुछ संदिग्धों को पूछताछ के लिए उठाया। थाना प्रभारी अमित तोमर ने बताया कि एटीएम से छेड़खानी कर रुपए निकालने का प्रयास किया गया है। फिलहाल अलार्म बजने पर आरोपित मौके से भाग निकले हैं। शनिवार को बैंक बंद होने के कारण सीसीटीवी फुटेज नहीं मिल सकी है बैंक अधिकारियों का कहना है कि वह सोमवार को एटीएम की सीसीटीवी फुटेज देंगे। फिलहाल आसपास लगे कैमरो से मिली फुटेज के आधार पर आरोपितों की तलाश की जा रही है।

3 साल के गरीब मासूम का सहारा बनी बुंदेलखंड रक्तदान समिति खून दिलाकर की मदद

दैनिक बुद्ध का संदेश

हमीरपुर। बेतवा घाट निवासी भोला पुत्र रामशंकर को खून की

कमी होने पर जिला अस्पताल हमीरपुर में भर्ती कराया गया था। मासूम के पिता खून के लिये ब्लड बैंक गये जहां ठ पॉजिटिव ब्लड नही मिलने से मायूस हो गये जिसकी सुचना बुंदेलखंड रक्तदान समिति को मिली जिस पर समिति ने लोगो से संपर्क किया व संपर्क मिलने पर तिंदुही निवासी संजय सिंह ने फोन कर रक्तदान करने की इक्षा जाहिर की व जिला अस्पताल पहुंच कर 3 वर्षीय मासूम के लिये 1 यूनिट ठ पॉजिटिव ब्लड डोनेट कर बच्चे को नया जीवन दिया। समिति महादानी का ह्रदय से आभार व्यक्त करती है। मौके पर समिति सहयोगी उपस्थित रहे–प्रीति अशोक निषाद,पंकज द्विवेदी, राहुल चंदेल अंकुर पाण्डेय, गब्बर, मनीष कुशवाहा जी मौजूद रहे।

बेहतर कार्य के लिए एल आई सी के शाखा प्रबंधक ने किया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। रावर्ट्सगंज के एल आई सी शाखा के अन्तर्गत

अतरौली राजा गाँव निवासी एल आई सी द्वारा अध िकृत युवा अभिकर्ता मनोज कुमार दीक्षित को अगस्त माह में बेहतर कार्य करने के लिए शुक्रवार को शाखा कार्यालय में शाखा प्रबन्धक एम पी सिंह व सी एल आई ए रामसूरत कुमार द्वारा पुरस्कार स्वरूप थाली व टिफिन देकर सम्मानित किया गया। दीक्षित ने बताया कि हमारे इस कामयाबी का पूरा श्रेय देवतुल्य पालिसी धारको को जाता हैं। उन्होंने बताया कि पुरस्कार पुरस्कार होता हैं। चाहे वो एक रुपये का हो या एक लाख का वो अमूल्य होता है। उसके कीमत का कोई आकलन नही कर सकता है। और उन्होंने बताया कि मैं पहले से भी अपने जीवन मे उत्तर प्रदेश सरकार के युवा कल्याण विभाग के सहयोगी संगठन युवक मंगल दल में कार्यवाहक जिलाध्यक्ष के रूप में लोगो की मदद करके समाज सेवा का कार्य लगभग पाँच वर्षों से लगातार करते चला आ रहा हूँ। वही एल आई सी में भी व्यक्तियों को बचत व रिस्क कवर के बारे में उचित जानकारी देकर सामाजिक व रचनात्मक कार्य सन 1956 से लगातार किया जा रहा हैं। उसी को देखकर मैं भी एल आई सी का अभिकर्ता बना इस मौके पर सुनिल कुमार सिंह, मनोज कुमार, वैभव मिश्रा इत्यादि लोग मौजूद रहे।

नगर निगम जारी करेगा म्यूनिसिपल बॉन्ड

दैनिक बुद्ध का संदेश

कानपुर। नगर निगम ने भी म्यूनिसिपल बॉन्ड जारी करने को तैयारियां शुरू कर दी हैं। नए नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन ने इसको लेकर काफी गंभीर हैं। बीते कई सालों से बॉन्ड जारी करने को लेकर प्रयास जारी थे लेकिन सफलता नहीं मिल रही थी। बॉन्ड जारी करने से पहले काफी तैयारियां की जाती हैं। अब प्रयास और तेज कर दिए गए हैं। फाइनेंशियल ईयर 2017 से 2018 से 2020–21 में नगर निगम द्वारा की गई टैक्स की वसूली के निए निर्धारित टारगेट और उनके सापेक्ष वसूली की डिटेल तैयार की जा रही है। इसके अलावा बीते फाइनेंशियल ईयर की ऑडिटेड बैलेंस शीट भी तैयार की जा रही है। इसके अलावा अन्य जरूरी डॉक्यूमेंट भी नगर निगम अध िकारी तैयार करने में जुट गए हैं। नगर आयुक्त की अध्यक्षता में 8 अगस्त को इसको लेकर अहम मीटिंग होनी थी लेकिन नहीं हो सकी। जल्द ही अगली बैठक बुलाई गई है। सरकार के निर्देश पर प्रदेश में लखनऊ और गाजियाबाद ने अभी तक बॉन्ड जारी किए हैं। इस बॉन्ड से जुटाई गई रकम को संस्था, सरकारी समूह या

कारपोरेट्स समूह पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी परियोजनाओं के लिए खर्च किया जा रहा है। गाजियाबाद नगर निगम की ओर से जारी 150 करोड़ का ग्रीन बॉन्ड वॉटर रिसायकल आधारित परियोजना के लिए जारी किया गया था। लखनऊ नगर निगम की सक्सेस के बाद आगरा और बनारस में भी म्युनिसिपल बॉन्ड जारी करने को लेकर तैयारियां शुरू की गई हैं। बता दें कि 2 दिसंबर 2020 को लखनऊ नगर निगम ने भी प्रदेश की राजधानी को स्मार्ट बनाने के लिए 200 करोड़ रुपए का बॉन्ड जारी किया था। नगर निगम बॉन्ड शहरी स्थानीय निकायों द्वारा जारी किए जाते हैं। बॉन्ड जारी कर नगर निगम पैसा जुटाते हैं और उसे शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कार्यों पर खर्च करते हैं। पूंजी बाजार के नियामक सेबी के अनुसार सिर्फ वही नगर निगम ऐसे बॉन्ड जारी कर सकते हैं, जिनका नेटवर्थ लगातार 3 फाइनेंशियल ईयर तक निगेटिव न रहा हो। साथ ही, पिछले एक साल में उन्होंने कोई लोन डिफाल्ट न किया हो। देश में अभी तक 10 से भी ज्यादा नगर निगम बॉन्ड के जरिए 3500 करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम जुटा चुके हैं। इनमें से अधिकतर राशि बीएसई बॉन्ड प्लेटफॉर्म के जरिए जुटाई गई है। बीएसई प्लेटफार्म पर लखनऊ नगर निगम से पहले अमरावती नगर निगम ने 2000 करोड़, विशाखापत्तनम ने 80 करोड़, अहमदाबाद ने 200 करोड़, सूरत ने 200 करोड़, भोपाल ने 175 करोड़, इंदौर ने 140 करोड़, पुणे ने 495 करोड़ और हैदराबाद नगर निगम ने 200 करोड़ रुपए की धनराशि जुटाई है।

अपनादल एस के पदाधिकारियों ने मंगल बियार जन्म स्थली कुसम्हा पहुच स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिजनों से शिष्टाचार मुलाकात किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अरूण पटेल, अपना

दल एस के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य दिनेश बियार, विधान सभा घोरावल प्रभारी सुरजीत पटेल जिला उपाध्यक्ष मुकेश पटेल तरंग अनिल सिंह व जनपद सोनभद्र के पदाधिकारियों के साथ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मंगल बियार जन्म स्थली कुसुम्हा पहुंचकर स्मारक पर माल्यार्पण कर उनके परिजनों से शिष्टाचार मुलाकात कर सम्मानित कर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मंगल बियार स्मृति द्वार जमालपुर मिर्जापुर में केन्द्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल के निर्देश पर विधान परिषद आशीष पटेल के द्वारा बनवाया गया है। चर्चा करते हुए कहा कि घोरावल रावर्टसगंज रोड़ ओदार में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मंगल बियार स्मृति द्वार बनवाने का काम भी जल्द ही किया जायेगा।

आप सभी क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई
आपका अपना
रवि प्रकाश मौर्य
समाजसेवी-करमा

आप सभी क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई
आपका अपना
डा. डी.एन. दत्ता
चिकित्साधिकारी, नया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
करमा, सोनभद्र

आप सभी ग्राम पंचायत
वासियों को स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई
आपका अपना
रामानंद मौर्य
ग्राम प्रधान-धौरहरा

आप सभी क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई
आपका अपना
आशुतोष त्रिपाठी
ग्राम प्रधान प्रतिनिधि- बहुआर

आप सभी क्षेत्रवासियों
को स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई
जिला पंचायत
अध्यक्ष प्रतिनिधि
अरून सिंह
घोरावल बिधानसभा अध्यक्ष
अपना दल एस
जिला पंचायत अध्यक्ष
राधिका पटेल

आप सभी क्षेत्रवासियों
को स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई
सीमा देवी
ब्लाक प्रमुख-करमा
रमेश यादव
बीडीओ

जिसका ताज हिमालय है, जहां बहती है गंगा,
जहां अनेकता में एकता है, सत्यमेव जयते जहाँ नारा है,
वह भारत देश हमारा है।
क्षेत्र की समस्त सम्मानित
देवतुल्य जनता को
15th August
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
सुबाष चंद्र दास
नगर पंचायत कांग्रेस अध्यक्ष गोला, गोरखपुर (उ. प्र.)

ग्राम सभा झरकटा/भदौरा व क्षेत्र की समस्त हृदय प्रिय जनता, गुरूजनों
तथा छात्र-छात्राओं को 75वीं
15 स्वतंत्रता दिवस
के शुभ अवसर पर
हार्दिक बधाई व अनंत शुभकामनाएं।
निवेदक :
सूर्यनाम्बुज दूबे
युवा समाज सेवी (एस.एन. दूबे)
ग्राम सभा झरकटा/भदौरा, विकास खण्ड- गोला, गोरखपुर
निदेशक मे0 शिवा पॉवर सोल्यूशन (टाटा आवाज रहित डीजल जनरेटर) महेवा चौक, ट्रांसपोर्ट नगर, गोरखपुर, फोन :- 0551-2344444, मो. 9454258444/7408784444

आप सभी क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई
आपका अपना
सुबाष मौर्य
ग्राम प्रधान प्रतिनिधि-तेन्दुहानी-गोरखपुर

आप सभी क्षेत्रवासियों
को स्वतंत्रता दिवस
15TH AUGUST
की हार्दिक बधाई
चन्द्रदेव पाण्डेय
ए0डी0ओ0 पंचायत-ब्लाक करमा

ना जियो धर्म के नाम पर,
ना मरो धर्म के नाम पर,
इंसानियत ही है धर्म वतन का,
बस जियो वतन के नाम पर।
क्षेत्र की समस्त सम्मानित
देवतुल्य जनता को
15th August
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
डा. विवेक मिश्र
Mob. : 7617060709
9714172599
BHMS
श्री गोरक्ष चिकित्सालय
दाऊदपुर, गोरखपुर

अशोक कुमार अग्रहरि
प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत बसहिया
वि.ख. बढ़नी सिद्धार्थनगर

रविन्द्र कुमार शर्मा
ग्राम प्रधान गड़रखा
वि0ख0 बढ़नी, सिद्धार्थनगर

महेन्द्र प्रताप निषाद
प्रधान प्रतिनिधि

रेखा निषाद
ग्राम प्रधान

ग्राम पंचायत बसहिया, वि.ख. बढ़नी सिद्धार्थनगर

अशोक कुमार अग्रहरि
प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत बसहिया
वि.ख. बढ़नी सिद्धार्थनगर

पार्वती नायर की बोल्ड फोटोज लगा रही है आग

आजकल साउथ एक्ट्रेस हॉटनेस के मामले में किसी से कम नहीं है। पार्वती नायर साउथ की फेमस मॉडल और एक्ट्रेस हैं। उन्होंने साउथ की चारों फिल्म इंडस्ट्री में काम किया है। पार्वती के इंस्टाग्राम पर 1.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं जो उनकी हर फोटो को पसंद करते हैं। इन दिनों फिर उनकी कुछ बोल्ड पिक्स वायरल हो रही हैं। पार्वती के फैंस

के बीच उनके बोल्ड अवतार को काफी पसंद किया जाता रहा है। हालांकि इसके चलते उन्हें कई बार ट्रोल भी होना पड़ा है। उन्होंने बतौर मॉडल ही अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने कई टीवी ऐड में भी काम किया है। वह मिस कर्नाटक और मिस नेवी क्वीन भी रह चुकी हैं। उन्होंने 2012 में फिल्म पॉपिंस से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी प्रकाशन एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतीनगर निकट हीरो एजेन्सी, मधुकरपुर, जिला-सिद्धार्थनगर-272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं०- UPHIN/2012/49458
संस्थापकः- स्व० श्री के.सी. शर्मा | प्रधान सम्पादकः- राजेश शर्मा
8795951917, 9453824459
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय ही मान्य होगा
ई-न्यूज पेपरः- www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आज़ादी का सन्देश
सबसे पहले देश

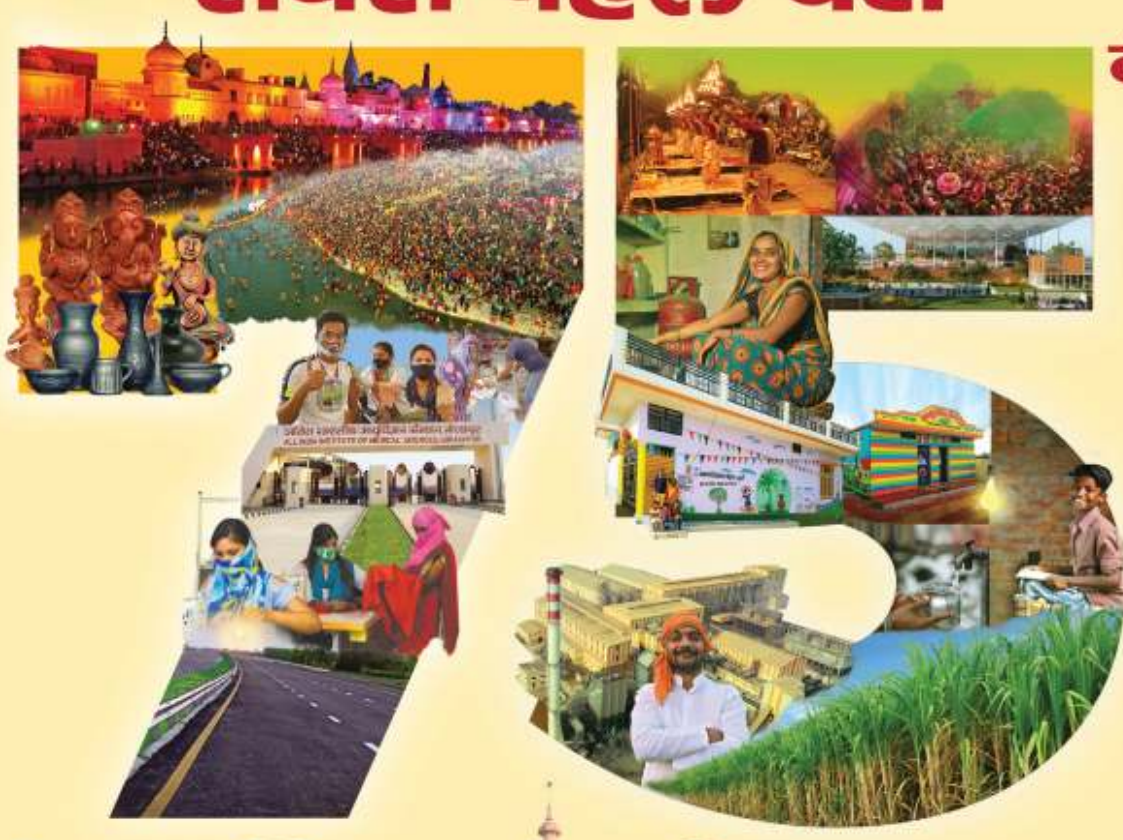

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

आज पूरा देश आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। यह हम सभी भारतवासियों के लिए गौरव एवं हर्ष का दिन है। आज़ादी के 74 वर्षों में देश ने विकास की नई ऊंचाइयों को हासिल किया है और विश्व में अपना परचम लहराया है। आइए, माननीय प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दें। आज़ादी के सपूतों को यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

आज़ादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों को शत्-शत् नमन।

- योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश